



हरिभूमि रायपुर भूमि



वीआईपी तिराहा से सड़ू मार्ग अवरुद्ध, पेड़ गिरने से वाहनों की लंबी कतार

तूफान के साथ बारिश...सड़कों-घरों में पानी, न्यू धमतरी मार्ग पर लंबा जाम, शहर में अफरातफरी

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

राजधानी में शनिवार शाम डेढ़ घंटे आंधी-तूफान के साथ झमाझम बारिश हुई। इससे शहर के कई इलाकों में विशाल पेड़ उखड़ कर सड़क पर गिर गए, सदरबाजार मुख्य मार्ग पर पुराने मकान का छज्जा गिर गया। रामनगर पुलिस चौकी के पास तेज आंधी में पेड़ गिरने से यातायात कुछ देर के लिए प्रभावित रहा। देवपुरी और सड़ू मार्ग पर लंबा जाम लग गया। दुर्गा चौक टिकरापारा में सड़क पर पेड़ तेज हवा के झोंकों से उखड़कर गिर गया। नगर निगम जोन 6 की टीम ने स्थल पर पहुंचकर पेड़ की कटाई छंटाई कर मार्ग को क्लीयर किया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड के अलग-अलग सेक्टर ►►शेष पेज 13 पर



मकान का छज्जा गिरा नाले का पानी सड़क पर

स्वामी चित्तेकानंद सदर बाजार वार्ड स्थित सदर बाजार मुख्य मार्ग में एक पुराने मकान का छज्जा तेज हवा के चलते सड़क पर गिर गया। इधर बूढ़ापारा में स्मार्ट सिटी के पुराने दफ्तर के पीछे वाले नाले में निकासी के लिए छोटी पाइप लाइन डालने से कचरा जाम हो गया। तेज बारिश से नाला उफान पर रहा। इसके कारण बूढ़ापारा के गणेश मंदिर चौक में जलमग्न होने ►►शेष पेज 13 पर

डीडीनगर इलाके में 9 पेड़ गिरे, बिजली खंबा डैमेज
पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड के सेक्टर 2 में 4 जगहों पर बड़े पेड़ आंधी तूफान में उखड़कर सड़क पर गिरने से आवागमन प्रभावित रहा। रोहणीपुरम तालाब के पास 2 बड़े पेड़ तेज हवा में उखड़कर सड़क पर गिर गए। पासपोर्ट आफिस के पास बिजली खंबा पर पेड़ गिरने से खंबा क्षतिग्रस्त हुआ। इस इलाके में घंटों अंधेरा छाया रहा। सेक्टर 2 में बिजली खंबा पर पेड़ गिरने से आवागमन बाधित रहा। साथ ही रहवासी इलाकों में अंधेरा छाया रहा। उमस और बिजली गुल होने से लोग परेशान रहे।

खबर संक्षेप

बाल अपराध रोकने पुलिस ने शुरु की नई सुबह

रायपुर। बाल अपराध की रोकथाम एवं विधि से संघर्षरत बालकों को मुख्यधारा से जोड़ने हेतु “नवोदय नई सुबह की ओर” कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। कार्यक्रम रायपुर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा काउंसिल फॉर सोशल जस्टिस एवं यूनिसेफ के सहयोग से संचालित किया जाएगा। डाइवर्जन प्रोग्राम के माध्यम से बालकों के पारिवारिक, सामाजिक एवं मानसिक परिवेश में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया जाएगा। जिला प्रशासन सहित 8 विभागों को जोड़कर बच्चों एवं उनके परिवारों को शासकीय योजनाओं एवं कल्याणकारी सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा।

चोरी का माल खरीदने वाला कबाड़ी गिरफ्तार

रायपुर। टिकरापारा थाने की पुलिस ने निर्माणाधीन मकान के चोरी के समान खरीदने के आरोप में एक कबाड़ी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 82 हजार रुपए कीमत की चोरी का सामान जब्त की है। रविकर्ण वर्मा की शिकायत पर पुलिस ने चोरी का माल खरीदने के आरोप में गणेश उर्फ आसिफ खान को गिरफ्तार किया है। कबाड़ी की निशानदेही पर पुलिस ने निर्माणाधीन मकान में चोरी करने के आरोप में दो नाबालिगों को भी पकड़ा है।

इमरजेंसी सर्विस डॉयल-112 को आज से मिलेगी ऑक्सीजन

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

राज्य के 11 जिलों में वर्ष 2018 से डॉयल-112 सेवा का आठ साल लंबे इंतजार के बाद सभी जिलों में विस्तार किया जा रहा है। 11 जिले में शुरु की गई सेवा शनिवार तक 16 जिलों तक संचालित थी। डॉयल-112 की सेवा को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के हरी झंडी दिखाने के बाद राज्य के सभी 33 जिलों में संचालित किया जाएगा। सभी जिलों में डॉयल-112 की सेवा शुरु होने के बाद दूरस्थ ग्रामीण अंचल के



लोगों को त्वरित राहत के साथ इमरजेंसी सेवा में मदद मिलने की उम्मीद है। इस बार डॉयल-112 सेवा में 400 नई हाईटेक गाड़ियां शामिल की गई हैं। इस बार डॉयल-112 की गाड़ियों को अत्याधुनिक इमरजेंसी रिस्पांस वाहन सर्विस (ईआरवीएस) से लैस किया गया

है। नई सर्विस में पुलिस (100), एम्बुलेंस (108, 102), और फायर ब्रिगेड (101) की सेवाएं एक ही नंबर पर एकीकृत की गई हैं। ग्रामीण अंचल में सबसे ज्यादा जरूरी सेवा के लिए लोग पुलिस के साथ एंबुलेंस सर्विस के लिए कॉल करते हैं। कई जिलों में सेवा शुरू नहीं होने से लोगों को इमरजेंसी सर्विस प्राप्त करने काफी परेशानी का सामना करना पड़ता था। डॉयल-112 की गाड़ियों को अत्याधुनिक इमरजेंसी रिस्पांस वाहन सर्विस (ईआरवीएस) से लैस किया गया

रिस्पांस टाइम से पहले पहुंचने की उम्मीद
डॉयल-112 के लिए जो नए चार सौ वाहन आज से चालू किया जा रहा है। उन नए वाहनों में सीसीटीवी कैमरा, जीपीएस ट्रैकिंग और आपातकालीन चिकित्सा किट शामिल की गई हैं। जीपीएस ट्रैकिंग की मदद से डॉयल-112 के मौके पर रिस्पांस टाइम से पहले पहुंचने की उम्मीद है।
हिंदी, अंग्रेजी के साथ स्थानीय भाषा से संपर्क
एक्को नंबर सब्सो बर डॉयल-112 की सेवा के लिए कॉल करने वाले कॉलर की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कंट्रोल रूम में हिंदी और अंग्रेजी के अलावा छत्तीसगढ़ी, गोंडी, हल्बी, कुड़ुख जैसी स्थानीय बोलियों के जानकार भी तैनात रहेंगे। कॉलर जिस भाषा, बोली से कंट्रोल रूम में बात करना चाहेंगे। कंट्रोल रूम से उनसे वैसी ही भाषा में बात की जाएगी।

अभी इन 16 जिलों में सेवा

- रायपुर
 - बिलासपुर
 - दुर्ग
 - राजनांदगांव
 - बस्तर (जगदलपुर)
 - कोरबा
 - रायगढ़
 - सरगुजा
 - महासमुंद्र
 - जांजगीर-चांपा
- शेष पेज 13 पर

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार की मौत

रायपुर। खमताराई थाना क्षेत्र में आने से बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक चला रहा युवक गंभीर रूप से घायल है। मृतक तथा बाइक चालक तिल्दा क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक, ट्रक एमपी-20, एबी-5156 की चपेट में आने से लंकेश्वर उर्फ गोलू साहू की मौत हो गई और मनेज चंद्राकर के सिर एवं हाथ-पैर में गंभीर चोटें आई हैं। घटना गुरुवार देर शाम रावणभाठा, होटल एंटी पाइंट के पास की है। एंटी पाइंट में ट्रक चालक ट्रक मोड़ते समय बाइक को नहीं देख पाया।

लूट के आरोप में दो बदमाश पकड़े गए



रायपुर। खरोरा पुलिस ने पेट्रोल लेने जा रहे दो युवक के साथ मारपीट कर चाकू की नोक पर उनसे मोबाइल तथा नकदी लूट करने के आरोप में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। शुभम ध्रुववंशी तथा उसके एक अन्य साथी के साथ लूट के आरोप में पुलिस ने सुरेंद्र उर्फ छोटी मंडावी, रवि मंडावी को गिरफ्तार किया है। शुभम शुक्रवार को अपने साथी के साथ पेट्रोल लेने जा रहा था। इस दौरान बदमाशों ने सारागांव के पास उनका रास्ता रोककर मारपीट कर लूट की थी।

आरसीबी ने स्टेडियम में खर्च किए थे एक करोड़, अस्थाई सुविधाओं को स्टेडियम से निकाला गया

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के बीसीसीआई के अधीन आने के बाद, यहाँ आयोजित हुए पहले आईपीएल से राज्य सरकार और छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ दोनों को बड़ा आर्थिक लाभ हुआ है। अनुबंध के मुताबिक प्रति आईपीएल मैच सरकार को 30 लाख रुपए दिए जाने का प्रावधान है। इस तरह रायपुर में हुए दो मैचों के आयोजन से राज्य सरकार के खजाने में सीधे 60 लाख रुपए जुड़ गए हैं। वहीं, इस मेगा इवेंट से छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ को भी



लाखों रुपए का मुनाफा हुआ है। बता दें कि छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ को लीज पर मिले इस स्टेडियम के लिए राज्य सरकार को सालाना 1.5 करोड़ रुपए चुकाने होते हैं। जनवरी 2026 में हुए टी-20 इंटरनेशनल और अब आईपीएल के दो सफल आयोजनों से क्रिकेट संघ ►►शेष पेज 13 पर

स्थानीय खिलाड़ियों को मिला प्रोत्साहन

आईपीएल के इन मैचों से छत्तीसगढ़ के स्थानीय क्रिकेटर्स को भी आगे बढ़ने का बड़ा प्रोत्साहन मिला है। अत्यास सत्र के दौरान स्थानीय युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय दिवगजों के सामने बोलिंग करने का शानदार अवसर मिला। इस अनुभव का सीधा फायदा खिलाड़ियों को आगामी सीसीपीएल में देखने को मिलेगा।

36 कांच के पैनल अब फिर से लगाए जाएंगे

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु ने रायपुर को अपना 'होम वाउंड' बनाते हुए इसे खस लुक देने के लिए 1 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए थे। इसमें विशेष लाइटिंग, टावर, रंग-रोगन और शानदार साउंड सिस्टम जैसी व्यवस्थाएं शामिल थीं। मैच खत्म होने के बाद आरसीबी मैनेजमेंट ने संबंधित एजेंसी के माध्यम से अपनी अस्थाई लाइट और साउंड सिस्टम को वापस निकाल लिया है। इसके अलावा, मैच के दौरान प्लेटिनम स्टैंड से निकाले गए 36 कांच के पैनल अब फिर से लगाए जाएंगे। आरसीबी द्वारा स्टेडियम की कुछ कुर्तियों को बदलने और पेंट करने का स्थायी लाम अब सीएससीएस को मिलेगा।

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

जांजगीर में तरबूज खाने से बच्चे की मौत और तीन के बीमार होने की घटना के बाद मौसमी फलों की जांच के लिए अभियान चलाया जाएगा। तरबूज के अलावा आम, केला सहित अन्य मौसमी फलों की जांच के दायरे में लाया जाएगा। राज्य के तमाम छोटे-बड़े फ्रूट मार्केट में जाकर जांच के बाद

संदेहस्पदों फलों के सैंपल भी उठाए जाएंगे। राजधानी के लालपुर स्थित फ्रूट मार्केट से इसकी शुरुआत भी की गई है। लालपुर में पहुंची खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम छोटी-बड़ी फल मंडियों में पहुंचेगी। इसके साथ ठेके और खोमचे लगाकर फलों की बिक्री करने वालों को भी जांच दायरे में लाया जाएगा। जांच की जद में तरबूज के अलावा आम, केला, पपीता और अंगूर जैसे सीजनल फल भी आएंगे। जांच के दौरान दुकानों में मिलने वाले सड़े-गले फलों को नष्ट कराया जाएगा और संबंधित दुकानदार के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा लिए गए सैंपल अगर अमानक पाए जाते हैं तो खाद्य प्रयोगशाला से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अंतर्गत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। रासायनिक प्रक्रियाओं से पकाए जाने वाले अथवा उसे आकर्षक बनाने किए जाने रंगों का विपरीत असर मानव स्वास्थ्य पर हो सकता है।

सड़े कटे फल से जोखिम

रेलेवे स्टेशन, बस स्टैंड सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों में पपीता, तरबूज, केला सहित अन्य फलों को काटकर फ्रूट सलाद के नाम पर बेचा जाता है। काफी देर से कटे फल सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इसी तरह सड़े फल के उपयोग से भी पेट से संबंधित समस्या हो सकती है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ऐसे स्थानों पर भी जाकर अपनी जांच करेगी।

फलों को आकर्षक बनाने ऐसा तरीका

- आम को पकाने के लिए प्रतिबंधित कार्बाइड पदार्थ का इस्तेमाल किया जाता है। इससे पेट दर्द, उल्टी, त्वचा में जलन, चक्कर जैसी समस्या होती है।
- केला और पपीता को जबरन पीला और आकर्षक बनाने के लिए इथेनॉल गैस और खाइलीज रसायनों का इस्तेमाल किए जाने का संदेह।
- तरबूजा और खरबूजा को वजन बढ़ाने और अंदरूनी हिस्से को लाल दिखाने के लिए कुत्रिम रंगों का उपयोग किए जाने की आशंका होती है।

अभियान चलाया जाएगा

फलों की जांच के लिए राज्यभर में जांच अभियान चलाया जाएगा। आम लोगों को गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थ मिले, इसके लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन लगातार काम कर रही है।

- दीपक अग्रवाल, निरंजन, खाद्य एवं औषधि प्रशासन

अग्रसेन धाम

SENIOR LIVING HOME

A PREMIUM OLD AGE HOME

1 मई 2026 से रजिस्ट्रेशन प्रारंभ

- योगा कक्षा • गार्डन • लाइब्रेरी • पूजा घर • डेयरी फॉर्म • शुद्ध सात्विक भोजन • जिम
- स्विमिंग पूल • साइकिलिंग ट्रैक • टिफ्ट • जनरेटर (50KW) • इनडोर एवं आउटडोर गेम
- Wi Fi फैपस • डॉक्टर/नर्स (24 Hrs) • एम्बुलेंस / टैक्सी (24x7 on Call)

राजेन्द्र कुमार अग्रवाल (संचालक)
वैद्यसेन, अग्रसेन युवा ऑफ इंडीह्यूअंस
मो. 89595 44444

स्थान- ग्राम - इंगनिया, तह.- गुण्डरदेही, (दुर्ग - बालोद मेन रोड) (दुर्ग से 17KM)
जिला - बालोद (छ.ग.)

12.5 एकड़ भूमि में निर्मित 100 सर्व सुविधायुक्त AC कमरों सहित एक लाख वर्ग फीट भवन सभी धर्म समुदाय के लोगों के लिए उपलब्ध

महंगाई और पेट्रोल-डीजल संकट पर कांग्रेस का 12 ब्लॉकों में विरोध प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा पूरे देश में पेट्रोल डीजल की कमी से उत्पन्न असमंजस और अराजकता की स्थिति, आम जनता को हो रही शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक परेशानियों तथा वैकल्पिक व्यवस्था करने में केंद्र की मोदी सरकार एवं राज्य की विष्णुदेव साय सरकार की विफलता के विरोध में शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन के नेतृत्व में रायपुर शहर के अंतर्गत आने वाले 12 ब्लॉकों में पेट्रोल पंपों एवं प्रमुख चौराहों पर प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि

केंद्र और राज्य सरकार की नीतिगत असफलताओं एवं लापरवाही के कारण आज आम जनता पेट्रोल डीजल के लिए घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर है। परिवहन व्यवस्था प्रभावित हो रही है, व्यापार एवं दैनिक कार्य बाधित हो रहे हैं और आम नागरिकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने कहा, सरकार को समय रहते वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करनी थी, लेकिन पूरी तरह विफल साबित हुई है। सरकार की अदूरदर्शिता और प्रशासनिक अक्षमता के कारण जनता भय और असुविधा के माहौल में जीने को मजबूर है।

सरकार की अदूरदर्शिता से जनता भय के माहौल में जीने को मजबूर : मेनन

इन जगहों पर हुए प्रदर्शन

यह प्रदर्शन शहीद भगत सिंह ब्लॉक द्वारा आमानाका ओवर ब्रिज, डॉ. खूबचंद बघेल ब्लॉक द्वारा कुशालपुर ओवर ब्रिज, संत कबीर दास ब्लॉक द्वारा मोवा थाना के पास, पंडित जवाहरलाल नेहरू ब्लॉक द्वारा तेलीबांधा पेट्रोल पंप, वीरांगना अवन्ती बाई ब्लॉक द्वारा फाफाडीह चौक, गुरु घासीदास ब्लॉक द्वारा शंकर नगर चौक, सरदार वल्लभभाई पटेल ब्लॉक द्वारा रामनगर पेट्रोल पंप, नेताजी कन्हैयालाल बाजारी ब्लॉक द्वारा गुडियारी, संत माता कर्मा ब्लॉक द्वारा रिंग रोड उद्योग भवन, शहीद पंकज विक्रम ब्लॉक द्वारा पुलिस लाइन पेट्रोल पंप, लैफ्टिनेंट अरविंद दीक्षित ब्लॉक द्वारा कालीबाड़ी तथा महंत लक्ष्मी नारायण दास ब्लॉक द्वारा वीरभद्र नगर पेट्रोल पंप के सामने किया गया।



कांग्रेस का आज से 4 दिवसीय प्रदर्शन

पेट्रोल, डीजल, खाद्य सामाग्री आवश्यक वस्तुओं की बढ़ी कीमतों तथा महंगाई के विरोध में कांग्रेस चार दिवसीय आंदोलन करने जा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रदेश के समस्त जिला एवं ब्लॉक मुख्यालयों में धरना, प्रदर्शन एवं आंदोलन किये जाने का निर्णय लिया है। इसके तहत 17 मई को पेट्रोल पम्पों के सामने प्रदर्शन, जनता से चर्चा कर सोशल मीडिया में वीडियो अपलोड करें। 18 मई किराना बाजारों में प्रदर्शन होगा। 19 मई सराफा व्यवसाय ठप्प होने व सोने-चांदी के व्यापारियों, कारीगरों एवं कर्मचारियों के रोजी-रोटी की संकट के विरोध में सराफा बाजारों में प्रदर्शन होगा। 20 मई को सोशल मीडिया पर महंगाई एवं आवश्यक वस्तुओं की कमी को लेकर आंदोलन होगा ।

खबर संक्षेप



कच्छ गुर्जर क्षत्रिय मिश्री समाज के कारीगरों की रही महत्वपूर्ण भूमिका

रायपुर। तमिलनाडु के रामेश्वरम में स्थित नया पंवन रेलब्रिज भारत का पहला वर्टिकल-लिफ्ट (उध्वांघर-उठाने वाला) रेलवे समुद्री पुल है। यह 2.08 किलोमीटर लंबा पुल मुख्य भूमि (मंडपम) को रामेश्वरम द्वीप से जोड़ता है, जो 110 साल पुराने ऐतिहासिक पुल की जगह बना है। इस संबंध में कच्छ गुर्जर क्षत्रिय मिश्री समाज स्टेशन रोड के लोगों ने बताया कि कच्छ गुर्जर क्षत्रिय (मिश्री) समाज के कारीगरों और ठेकेदारों ने 1914 में निर्मित ऐतिहासिक पंवन रेलवे पुल के निर्माण में अमिट और महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस समुदाय के कुशल शिल्पकारों ने समुद्र की विपरीत परिस्थितियों में इस विशाल परियोजना को धरातल पर उतारा। पुल का निर्माण ब्रिटिश सरकार द्वारा गुजरात के कच्छ जिले से आए प्रतिष्ठित मिश्री (कड़िया) क्षत्रिय परिवारों को सौंपा गया था। इनमें मुख्य रूप से करोजी कुट्ट, मिश्री मंझी देवा वेगाड, लाख देवजी वेगाड, वरजगण हिर्जो और गंजी नारायण जैसे ठेकेदार और शिल्पी शामिल थे। इस आधार पर हम मिश्री कहलाने वाले लोग हैं, पहले जो भी रामेश्वरम गए होंगे, कच्छ गुर्जर मिश्री समाज के कारीगर द्वारा निर्मित ब्रिज से दर्शन करने जा सकेंगे।

युक्तियुक्तकरण के नाम पर शिक्षकों को नहीं मिला न्याय

रायपुर। छत्तीसगढ़ में शिक्षक युक्तियुक्तकरण प्रक्रिया मई 2026 की स्थिति में भी गंभीर विवादों और शिक्षकों के भारी असंतोष के केंद्र में बनी हुई है। नई पदस्थापना पर ज्वाइन नहीं करने वाले 176 से अधिक शिक्षकों को निर्लंबित कर दिया गया है और कई अन्य लोगों का वेतन रोक दिया गया है। युक्तियुक्तकरण के आदेशों के तहत नई पदस्थापना पर ज्वाइन न करने वाले कई शिक्षकों को निर्लंबित किया गया है, जबकि कई शिक्षकों का वेतन रोक दिया गया है। युक्तियुक्तकरण से प्रताड़ित शिक्षक, जो अबतक ज्वाइनिंग नहीं दिए, उच्च न्यायालय विलासपुर के समक्ष 3 से 4 बार याचिका प्रस्तुत कर चुके हैं। इसके बाद भी आज तक किसी भी शिक्षक को समक्ष बुलाकर सुनवाई नहीं की गई है। शिक्षक संगठन इस पूरी प्रक्रिया को तत्काल निरस्त करने और 2008 के सेंटअप के अनुसार न्यायसंगत नीति अपनाने की मांग राज्य सरकार से कर रहे हैं।

ईश्रतहार

पत्र क्र./29238./ न.च. नि. /जोन क्र.- 10
रायपुर, 2026
दिनांक 10.04.2026
नामंकरण प्र.क्र. 29238

वाई का नाम -54, कामांडू सुमो मुखर्जी वाई
पुत्र द्वारा सूचित किया जाता है कि: वाई 54 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR652S02961 जो की निगम ऑफिसल श्री / श्रीमती KIRTI SARANG पिता / पति श्री / श्रीमती RUSTAM SARANG के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती PANKAJ MAZUMDAR पिता / पति श्री / श्रीमती S/O GOPAL MAZUMDAR ने मूल्य प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, वन पत्र, विव्हान्नामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य ऑफिसल द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त रय्यामिथ परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेवार नहीं होगा।

"सूचना जारी करे"
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

चुनाव खत्म होने के बाद जनता को ज्ञान दे रहे प्रधानमंत्री

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक एवं पूर्व मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी चुनाव के दौरान देश में पेट्रोल-डीजल और गैस की कोई कमी नहीं होने की बात कह रहे थे। चुनाव खत्म होने के बाद वे जनता को ज्ञान दे रहे हैं कि पेट्रोल-डीजल को उपयोग कम करें। किसानों को सलाह दे रहे हैं कि खेती में उर्वरक का उपयोग कम करें। साथ ही वे कह रहे हैं वर्क फार्म होम करिए। वहीं राज्य सरकार ने यहां पेट्रोल-डीजल का कुत्रिम संकट पैदा कर लोगों को लाइन में लगा दिया है। ऐसा लग रहा है कि प्रधानमंत्री देश को संभाल नहीं पा रहे हैं। वहीं विष्णुदेव साय प्रदेश को नहीं संभाल पा रहे हैं।

कांग्रेस भवन में महंगाई और पेट्रोल- डीजल गैस की किल्लत के कारण पूरे प्रदेश में अराजकता का माहौल लेकर संवाददाताओं से चर्चा में डॉ. डहरिया ने कहा, अगर किसान खेती में उर्वरक का कम उपयोग करेगा, उसकी उपज कैसे बढ़ेगी। जब से प्रदेश में भाजपा सरकार बनी है सोसायटियों से किसानों को खाद बहुत कम मिल रहा है। साथ ही उन्होंने कहा, मोदी नागरिकों को काम नहीं करने का सलाह दे रहे हैं, वर्क फार्म होम करिए काम में मत जाइए,



महंगाई पर नियंत्रण की मांग

जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिला अध्यक्ष राजेंद्र “पप्पू” बंजारे ने केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा, 2014 में भाजपा ने महंगाई कम करने और पेट्रोल-डीजल सस्ता करने का वादा किया था, लेकिन आज आम जनता महंगाई की मार से परेशान है। जब कांग्रेस की सरकार थी तब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत अधिक होने के बावजूद जनता को राहत देने का प्रयास किया जाता था, जबकि आज कच्चे तेल की कीमत कम होने पर भी पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ाए गए हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से पेट्रोल-डीजल एवं गैस के दाम कम करने, महंगाई पर नियंत्रण करने की मांग की। अगर इसे नजरअंदाज किया गया तो कांग्रेस सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन जारी रखेगी।

उनके इस सलाह से फिलड में काम करने वाले, गली कुचे में घूमकर समान बेचने वाले फेरी लगाने वाले क्या करेंगे? ऐसे में देश आर्थिक पतन की ओर अग्रसर हो जायेगा। उन्होंने कहा एक साल तक सोना नहीं खरीदने की सलाह देकर वे अडानी-अंबानी को

आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। शहर अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन ने कहा, महंगाई बढ़ने से रसोई का बजट ऐसे ही बिगड़ गया है। अब प्रधानमंत्री खाद्य तेल का कम उपयोग की सलाह दे रहे हैं। कमीतों में नियंत्रण करने के बजाय जनता को महंगाई की मार झेलनी पड़ रही है।

कम वजन करके दाम बढ़ाने का खेल इसलिए महंगे हो गए खाद्य तेल सिंडीकेट बनाकर मुनाफाखोरी का जमकर चल रहा है खेल

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

ईरान-अमेरिका, इजरायल युद्ध के मौके का पूरा फायदा उठाने का काम चल रहा है। किराना के सामान में भी सिंडीकेट बनाकर दाम बढ़ाने का खेल किया जा रहा है। अब तो एक लीटर के स्थान पर कंपनियां अपनी मर्जी से वजन कम करके खाद्य तेलों के दाम ज्यादा वसूल रही हैं। इसका फायदा छोट से लेकर बड़े कारोबारी भी उठा रहे हैं। सोया और राइस ब्रान तेलों के दाम 30 रुपए तक बढ़ा दिए गए हैं।

लंबे समय से महंगाई थमने का नाम नहीं ले रही है। कभी कोई सामान तो कभी कोई सामान महंगा हो जाता है। कई बार दाम बढ़ने के पीछे कारण भी रहता है, लेकिन ज्यादातर मौकों पर सिंडीकेट बनाकर ही दाम बढ़ाने का काम किया जाता है। खाद्य तेलों में लंबे समय से राहत थी, लेकिन अब इसके दाम भी बढ़ गए हैं। इसके पीछे का कारण भले युद्ध को बताया जा रहा है, लेकिन इसके दाम में लगातार खेल हो रहा है।



कम वजन में ऐसा खेल

खाद्य तेलों में पहले सभी कंपनियों के एक लीटर के ही पैक आते थे, लेकिन सरकार से छूट मिलने के बाद इसके पैक अब अलग-अलग कंपनियां अपनी मर्जी से कर रही हैं तो इसमें कीमत का खेल हो रहा है। कम वजन के कारण दाम ज्यादा देने पड़ रहे हैं। एक तो दाम पहले ही ज्यादा वसूले जा रहे हैं। एक उदाहरण हरेली तेल का ही लेंते हैं। इस तेल का दाम हमेशा कीर्ति गोल्ड के सोया तेल से कम से

महंगाई की मार और पेट्रोल संकट से जनता बेहाल, सरकार प्रचार में मशगूल-अर्जुमन



पेट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि और प्रदेशभर में पेट्रोलियम पदार्थों की कमी के कारण पेट्रोल पंपों में लग रही लंबी कतारों के विरोध में शनिवार को रायपुर के पूर्व महापौर एजाज देबर एवं ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष व पार्षद अर्जुमन देबर के नेतृत्व में कालीबाड़ी पेट्रोल पंप के सामने विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए जनता को राहत देने की मांग की। पूर्व महापौर एजाज देबर ने कहा, एक ओर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद केंद्र सरकार टैक्स कम करने को तैयार नहीं है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश में पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने में भी सरकार पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा, जनता घंटों लाइन में खड़ी रहने को मजबूर है, लेकिन सरकार के मंत्री और जिम्मेदार अधिकारी सिर्फ बयानबाजी में व्यस्त हैं। सरकार हर मोर्चे पर विफल : देबर ने आरोप लगाया कि सरकार की गलत नीतियों और कमजोर प्रबंधन का खामियाजा आम नागरिक, व्यापारी, किसान और परिवहन क्षेत्र से जुड़े लोग भुगत रहे हैं। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर रोजमर्रा की वस्तुओं पर पड़ रहा है, जिससे महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल हो चुकी है और जनता अब जवाब मांग रही है।

शासकीय जमीन पर कब्जा कर सालों से खेती सीमांकन के बाद 20 एकड़ से अधिक खाली कराई गई

हरिभूमि न्यूज ►► रायपुर

राजधानी रायपुर से 40 किलोमीटर दूर खरोरा तहसील अंतर्गत ग्राम फरहदा में रसूखदारों द्वारा शासकीय भूमि पर कब्जा कर कई वर्षों से धान की खेती करने का मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत द्वारा की गई शिकायत के बाद राज्यस्व विभाग ने इस मामले में जांच करते हुए जमीन का सीमांकन कराया गया। इस सीमांकन के दौरान अब तक 20 एकड़ से अधिक शासकीय जमीन पर कब्जा पाया गया है, जिसे ग्राम पंचायत के माध्यम से कब्जा मुक्त कराया गया।

60 एकड़ से अधिक शासकीय भूमि पर कब्जा

फरहदा गांव के सरपंच संजय साहू, पंच आनंद साहू सहित अन्य पंचों ने बताया कि उनके गांव में वर्षों पूर्व चारागाह से लेकर खेल मैदान, तालाब, श्मशान घाट सहित अन्य विकास कार्य के लिए लगभग 60 एकड़ भूमि आरक्षित की गई। इस भूमि का ऑनलाइन रिकॉर्ड भी है। इसके बाद भी इस भूमि पर कुछ रसूखदारों द्वारा कब्जा कर धान की खेती की जा रही है। इस तरह शासकीय भूमि पर धान की खेती कर



कई लोग लाखों, करोड़ों रुपए की कमाई कर चुके हैं। इस भूमि पर कब्जा को लेकर तहसील कार्यालय में ग्राम पंचायत ने लिखित शिकायत दर्ज कराई। इसके आधार पर अब भूमि की जांच कराई जा रही है। इस जांच में सबसे पहले भूमि का सीमांकन किया जा रहा है। इस सीमांकन में लगभग 20 एकड़ भूमि शासकीय साबित हो चुकी है। सीमांकन के बाद ग्राम पंचायत अब अपने स्तर पर ही कब्जा

भूमि को मुक्त कराने अभियान चला रही है। इसके तहत जेसीबी मशीन से खेत की मिट्टी खोदी जा रही है, ताकि रसूखदार दोबारा इस भूमि पर खेती नहीं कर सकें। इधर इस मामले में तहसीलदार मंडाई ने बताया कि ग्राम पंचायत की शिकायत पर भूमि का सीमांकन किया जा रहा है। इसके तहत अब तक 20 एकड़ से अधिक भूमि शासकीय पाई गई है। सीमांकन का काम अभी जारी है।

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN (PAINMANAGEMENT) / PILES / PREGNANT / GYNAE / SKIN

> रात गठ > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > रूबिन्डरुडिट > लिगामेंट के दर्द
> तसार्डिल > जोफर एक्सी > फ्रेक्चर सोल्डर > राटरी मे जकड़न
कांठ, गर्द, माथीसिराई के सभी प्रकार के दर्द का इलाज

9 सिटी सेंटर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) ☎ 9826444666
9 रोवरट - 7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) ☎ 95224-66664, 62622-22003

Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic Unit of Dr. Abhimanyu's Pain Relief Center
समग्र रोगोंका सभी रोगोंका इलाज

किना चीटकाई के वावरीर (पाइडर), फिडरुटा (गर्नाडर) फिडर, फिडरिडर वावराटा का

लेजर मशीन / शार सूत्र द्वारा आरक्षण की सुविधा

लेडिस डॉक्टर उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

छत्तीसगढ़ महिला कांग्रेस को और अधिक मजबूत, सक्रिय और प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से संगठनात्मक पुनर्गठन प्रक्रिया प्रारंभ

करने का निर्णय लिया गया है। इस कड़ी में नई कार्यकारिणी के गठन से पहले प्रदेश, जिला, ब्लॉक एवं बृथ स्तर की वर्तमान कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से भंग किया गया है। उन्होंने बताया कि संगठन में सक्रियता, सदस्यता अभियान में योगदान, जनसंपर्क, संघर्षशील भूमिका एवं संगठन के प्रति समर्पण को आधार बनाकर जल्द ही छत्तीसगढ़ प्रदेश महिला कांग्रेस की नई कार्यकारिणियों का गठन किया जाएगा।

महिलाओं ने वट पूजा कर पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य का वर मांगा

हरिभूमि न्यूज ►► तिल्दा नेवरा

जेष्ठ कृष्ण पक्ष की अमावस्या पर शनिवार को जहां भगवान शनि की जयंती मनाई गई। वहीं सौभाग्य और शुभम विशेष योग के साथ भरणी नक्षत्र के रहते सुहागिन महिलाओं ने वट सावित्री व्रत रखा। उन्होंने पति की लंबी आयु, सुख-समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना के साथ श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। शनिवार को सुबह से ही महिलाओं में इस व्रत को लेकर विशेष उत्साह देखा

गया। सोलह श्रृंगार कर महिलाएं वट (बरगद) वृक्ष के नीचे एकत्रित हुईं। उन्होंने पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की, बरगद के पेड़ में कच्चा सूत लपेटकर 7 या 108 बार परिक्रमा की और सावित्री-सत्यवान की कथा का श्रवण किया।यह

सुनी सत्यवान-सावित्री की पौराणिक कथा

शहर के शिशक कालोनी, थाना परिसर, हाई स्कूल रोड सब्जी मंडी के सामने सासाहोली सहित अन्य स्थानों पर सुबह से ही पूजा-अर्चना का माहौल बना रहा। कई स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से व्रत कथा का आयोजन किया। व्रत रखने वाली महिलाओं ने दिनभर निरंजला व्रत का पालन किया और शाम को कथा श्रवण के उपरांत व्रत का पारण किया। इस अवसर पर छाया तिवारी, रत्ना तिवारी, विमला मिश्रा , सहित तमाम महिलाओं ने कहा कि वट सावित्री व्रत भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों का प्रतीक है, जिसे वे वनों से आस्था के साथ निभाती आ रही हैं।



सुहागिनों ने की वट वृक्ष की पूजा

तरपोंगी। तरपोंगी अंचल में सुहागिन महिलाओं ने वट सावित्री की पूजा अर्चना कर पति की लंबी उम्र, अच्छी सेहत और सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। यह व्रत पौराणिक कथा पर आधारित है, जिसमें पतिव्रता सावित्री ने अपने दूढ़ संकल्प और बुद्धिमानी से यमराज को प्रसन्न कर अपने मृत पति सत्यवान के प्राण वापस पा लिए थे। तभी से महिलाएं अपने पति की दीर्घायु के लिए इस परंपरा का पालन करती आ रही हैं। दीर्घायु का प्रतीक बरगद का पेड़ सैकड़ों सालों तक जीवित रहता है और इसे 'अक्षय' माना जाता है।



व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, वट वृक्ष में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास होता है।यह व्रत माता सावित्री के अटूट प्रेम और दृढ़ संकल्प का प्रतीक माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, माता सावित्री ने इसी वट वृक्ष के नीचे अपनी भक्ति और तपस्या के बल पर यमराज से अपने मृत पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे। इसी कारण महिलाएं सावित्री जैसी शक्ति और सौभाग्य की कामना से यह व्रत रखती हैं।पूजा के दौरान महिलाओं ने वट वृक्ष को जल अर्पित किया। उन्होंने फल, मिठाई, चने और 14 पूरियों का भोग लगाया। इसके बाद, महिलाओं ने कच्चा सूत (कलावा) वट वृक्ष के चारों ओर लपेटते हुए परिक्रमा की और परिवार की सुख-शांति तथा पति की दीर्घायु की प्रार्थना की। इस अवसर पर वट सावित्री व्रत की पौराणिक कथा भी सुनी गई।

खबर संक्षेप



वट सावित्री व्रत पर सुहागिन माताओं ने पति व सतान के लिए की मंगल कामना

आरंग। वट सावित्री व्रत के पावन अवसर पर राजा मोरध्वज की पावन नगरी आरंग समेत ग्रामीण अंचल में सुबह से दोपहर तक वट वृक्ष की पूजा-परिक्रमा का क्रम चलता रहा। सुहागिन माताओं ने पारंपरिक वेशभूषा में सज्जित होकर वट वृक्ष की परिक्रमा करते हुए कच्चा धागा बांधा तथा पति व सतान के सुख-समृद्धि तथा दीर्घायु होने का आशीर्वाद मांगा। इस मौके पर वती माताओं ने सामूहिक रूप से सत्यवान-सावित्री व्रत कथा का श्रवण किया। इसी कड़ी में लक्ष्मी विहार की मातृशक्ति बहनों ने बैहार के आम्हा तालाब स्थित वट वृक्ष की पूजा-परिक्रमा कर पति व सतान के उत्तम स्वास्थ्य व मंगल कामना करते हुए भगवान श्री हरि नारायण से प्रदेश की खुशहाली की कामना की। कालोनी से सीमा निपाद, किरण दीवान, इंडु साहू आदि ने वट वृक्ष की विधिवत पूजा कर विश्व शांति, कल्याण तथा लोकमंगल की कामना की।

वट सावित्री व्रत पर सुहागिन महिलाओं की उमड़ी आस्था



आरंग। वट सावित्री व्रत के पावन अवसर पर आरंग बहर सहित क्षेत्र के मंदिहरेवडीह, लखौली, रोवा, कुकरा, नारा, मानसोज, खौली, फरफोड़, गोदी, पलीद सहित अनेक गांवों में सुहागिन महिलाओं ने पूरे श्रद्धा और विधि-विधान के साथ वट वृक्ष की पूजा-अर्चना की। सुबह से ही गांवों के मंदिरो और वट वृक्षों के आसपास धार्मिक माहौल देखने को मिला। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाएं हाथों में पूजा की थाली, फल-फूल, धूप-दीप और रक्षा सूत्र लेकर पूजा स्थल पहुंचीं। महिलाओं ने वट वृक्ष की परिक्रमा करते हुए उसके तले पर कच्चा धागा बांधा तथा अपने पति की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। कई स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से व्रत कथा का श्रवण किया और माता सावित्री तथा सत्यवान की कथा सुनकर अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मांगा। ग्रामीण क्षेत्रों में यह पर्व परंपरा और आस्था का अजोरा संलग्न बनकर दिखाई दिया। गांवों में वट सावित्री पूजा को लेकर विशेष उत्साह वाजरा आया। महिलाओं ने कहा कि यह पर्व भारतीय संस्कृति और पारिवारिक मूल्यों का प्रतीक है, जिसमें पति-पत्नी के अटूट प्रेम, समर्पण और विश्वास की भावना निहित रहती है।

बारिश : सड़कों पर गिरे विशालकाय पेड़, कई गांवों का संपर्क टूटा, घंटों बाधित रहा आवागमन

बारिश और ओलावृष्टि से जनजीवन अस्त-व्यस्त, कई इलाकों में ब्लैकआउट

हरिभूमि न्यूज ►► धरसीवा

शनिवार की शाम क्षेत्र के लोगों के लिए आफत बनकर आई। शाम को ठीक 7 बजे अचानक मौसम का मिजाज बदला और आसमान में काले बादलों के डेर के साथ ही विनाशकारी आंधी शुरू हो गई। देखते ही देखते कड़कड़ाती बिजली के साथ झमाझम बारिश और बड़े-बड़े ओले गिरने लगे। महज एक घंटे तक चली इस तेज हवा, ओलावृष्टि और मूसलाधार पानी ने पूरे धरसीवा क्षेत्र में भारी तबाही मचाई है। मात्र एक घंटे की इस प्राकृतिक आपदा ने पूरे इलाके की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिया और चारों तरफ नुकसान का मंजर दिखाई देने लगा। तेज आंधी के कारण क्षेत्र के मुख्य मार्गों सहित ग्रामीण इलाकों में दर्जनों पुराने और विशालकाय पेड़ जड़ से उखड़कर सड़कों पर आ गिरे, जिससे आवागमन पूरी तरह ठप हो गया। शाम का वक्त होने के कारण सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और राहगीर जहां-तहां फंस गए। व्यावसायिक इलाकों में भी इस आपदा का सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। बाजार में दुकानों के सामने लगे लोहे और टीन के भारी-भरकम शेड ताश के पत्तों की तरह हवा में उड़ गए। कई दुकानों के साइनबोर्ड और होर्डिंग्स उखड़कर दूर जा गिरे, जिससे व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है।

स्टैंडियम के सामने सड़क पर भरा पानी : इस प्राकृतिक आपदा का सबसे बड़ा असर बिजली व्यवस्था पर पड़ा है। तेज हवाओं के थपेड़ों से क्षेत्र में दर्जनों बिजली के खंभे टूटकर जमीन पर आ गिरे और कई जगहों पर पेड़ों के गिरने से हाईवोल्टेज तार टूट गए। इस भारी नुकसान के कारण पूरे धरसीवा क्षेत्र में 'ब्लैकआउट' की स्थिति बन गई है और पूरा इलाका अंधेरे में डूब गया है। बिजली गुल होने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर, महज एक घंटे की इस भारी बारिश के कारण क्षेत्र की ड्रेनेज व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई।



सुबह धूप, दोपहर उमस, शाम को बारिश, नालियों का गंदा पानी सड़कों पर आया

तिल्दा नेवरा। शनिवार शाम को तेज अंधण के साथ हुई झमाझम बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया। कई घंटों तक बिजली आपूर्ति ठप रही, जिससे लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। इस दौरान दर्जनों बिजली के पोल, तार और इंसुलेटर क्षतिग्रस्त हो गए।शाम करीब 6 बजे अचानक बदले मौसम और तेज आंधी-बारिश ने तिल्दा नेवरा शहर समेत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया।तेज हवाओं के कारण कई जगह पेड़ और डालियां गिर गईं, जिससे बिजली व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। मई की भीषण गर्मी में तीन मौसम का संगम देखने को मिल रहा है .सुबह से तेज धूप और भीषण गर्मी के असर से पारा 42 डिग्री तक पहुंच रहा है और शाम होते-होते आंधी बारिश गर्मी को धो रही है वर्तमान में तीन मौसमी सिस्टम देखने को मिल रहा है। शनिवार सुबह भीषण गर्मी से लोग परेशान थे दोपहर को लोग उमस से व्याकुल हो उठे और शाम 6 बजे अचानक मौसम बदला और तेज हवा चलने लगी। और देखते ही देखते हवा के साथ जमकर बारिश होने लगी लगभग 1 घंटे



तक तेज हुई बारिश और आंधी के चलते कई जगह जहां पेड़ गिर गए वहीं खबो में लगे इंसुलेटर भी उड़ गए। उसके बाद शहरसहित पूरा इलाका अंधेरे में डूब गया। रात 9 बजे तक पूरे इलाके बंद रही .. उसके बाद भी लेत का आना जाना लगा रहा। बुदाबांदी होने कारण लाईट सुधार नेकर्मचारी परेशान होते रहे।

हलाकि बारिश थमने के बाद कुछ देर ठंडी हवाएं चली और भीषण गर्मी से राहत मिली लेकिन उसके बाद उमस ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया। सड़कों पर पेड़ की डंगाल गिरने से लोगों को आवाजाही में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

शिकायतों पर भड़के सांसद, 3 दिन में मांगी लंबित प्रकरणों की रिपोर्ट

आरंग। नगर पंचायत समोदा के हाई स्कूल मैदान में शुक्रवार को आयोजित सुशासन तिहार कार्यक्रम के दौरान स्थानीय लोगों ने अपनी विभिन्न समस्याएं और शिकायतें प्रशासन के समक्ष रखीं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने तहसील कार्यालय समोदा में पदस्थ नायब तहसीलदार गजानंद सिसार की कार्यशैली को लेकर गंभीर शिकायतें कीं। लोगों ने आरोप लगाया कि राजस्व संबंधी मामलों में अनावश्यक विलंब हो रहा है तथा पैसों के लेन-देन की शिकायतें भी सामने आई हैं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सांसद बुजमोहन अग्रवाल मंच पर ही नाराज हो गए और नायब तहसीलदार को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि



आम जनता के कार्य पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और ईमानदारी के साथ किए जाएं तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सांसद ने मौके पर मौजूद पार्षदों को सहूलियत के लिए करीब 10 लाख रुपये की लागत वाली अत्याधुनिक सोनोग्राफी मशीन प्रदान की। इसके साथ ही, रायपुर जिले के ग्राम नहरडीह की मेधावी छात्रा हेमलता साहू, जिसने विपतीत परिस्थितियों में साइकिल से 7 किलोमीटर का सफर तय कर 12वीं की बोर्ड परीक्षा में राज्य में पांचवां स्थान हासिल किया है, उसकी आगे की उच्च शिक्षा का पूरा खर्च उठाने



कन्हेरा में सिलाई प्रशिक्षण का समापन

अभनपुर। ग्राम पंचायत कन्हेरा में 16 मई केयर स्किल फाउंडेशन द्वारा संचालित सिलाई मशीन प्रशिक्षण का समापन एवं प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में 18 प्रतिभागियों ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण किया। प्रशिक्षण का संचालन प्रशिक्षिका निशा सिंह ने किया। कार्यक्रम में सरपंच भानुप्रताप साहू एवं उपसरपंच हीरामन साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने

प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि कौशल विकास प्रशिक्षण ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।केयर स्किल फाउंडेशन द्वारा सिलाई, कंप्यूटर, डिजिटल साक्षरता, ब्यूटी पार्लर एवं स्वरोजगार सहित विभिन्न रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

पंचमुखी महादेव मंदिर में रामायण पाठ



हरिभूमि न्यूज ►► आरंग

शनिवार को राजा मोरध्वज आध्यात्मिक, धार्मिक एवं सामाजिक मानस संगठन आरंग द्वारा पिपलेश्वर पंचमुखी महादेव मंदिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ रामायण पाठ, पूजा, हवन एवं आरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान महादेव से विश्व और समाज में

सुख-शांति की कामना की। वातावरण भक्तिमय और मंगलमय रहा। इस अवसर पर संगठन के सदस्य एवं श्रद्धालु मानस लोधी, हीरालाल साहू, अवध विश्वकर्मा, संतोष लाला लोधी, पुजारी शत्रुघ्न लोधी, श्रीमती वत्सला लोधी एवं माहल्ले के अन्य भक्तजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया।

पेज 11 के शेष

तूफान के साथ

में आंधी तूफान से 9 बड़े बिजली खंबों पर गिरने से डीडीनगर, शांतिवहार कालोनी, रोहणीपुरम में घंटों अंधेरा छाया रहा। बूढ़ापारा में रायपुर स्मार्ट सिटी के पुराने दफ्तर के पास इंडोर स्टेडियम वाला नाला उफान पर रहा। इसके चलते बूढ़ापारा के गणेश मंदिर, शदाणी चौक सहित आसपास के मुख्य मार्ग में जलभराव से लोग परेशान रहे। जोन अध्यक्ष मुरली शर्मा प्रभावित इलाकों में पहुंचकर जलभराव की समस्या के निराकरण में डट रहे।

जगह-जगह पेड़ गिरे, सड़क यातायात बाधित, घंटों बिजली गुल, डीडी नगर में बिजली पोल पर पेड़ गिरा

शनिवार को हुई झमाझम बारिश और तेज रफ्तार से चले आंधी तूफान में दुर्गा चौक टिकरापारा, देवपुरी बाजार के पास, रामनगर पुलिस चौकी के पास विशाल पेड़ गिर गए। बलौदाबाजार मार्ग में अंबुजा माल के पास सड़क पर पेड़ गिरने से वीआईपी तिराहा से सड़क मार्ग अवरुद्ध रहा। पुलिस ने आम जनता को वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने एडवाइजरी जारी की। सड़क हाउसिंग बोर्ड कालोनी में अचानक तेज हवा चलने से विशाल पेड़ उखड़ कर सड़क पर आ गिरा।

मकान का छज्जा

से लोग परेशान रहे। नाले का गंदा पानी शदाणी चौक ढाल में भी भर गया, इससे लोगों की आवाजाही

प्रभावित हुई। गोलबाजार इलाके में जलभराव से इस क्षेत्र के व्यापारी परेशान रहे।

आयुष्मान से मोतियाबिंद

की भागीदारी भी है। स्वास्थ्य सहायता योजना के माध्यम से मोतियाबिंद की सर्जरी का पैकेज नहीं होने के बाद भी निजी अस्पताल आंकड़ों में सरकारी अस्पताल से काफी आगे हैं।

अमी इन 16

- कबीरधाम
- गरियाबंद
- सक्ती
- मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी
- खैरागढ़-छुईखदान-गंडई
- सारंगढ़-बिलाईगढ़
- गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

आईपीएल मैच से

लौज की राशि से कहीं अधिक की कमाई कर चुका है। लगातार मैचों के आयोजन से हुए इस आर्थिक लाभ का इस्तेमाल अब स्टेडियम के रеноवेशन में किया जाएगा। जून में प्रस्तावित छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग के बाद रनोवेशन का कार्य शुरू कर दिया जाएगा, जिससे स्टेडियम को और अधिक आधुनिक रूप दिया जा सके।

धरसीवा को मिली स्वास्थ्य और शिक्षा की बड़ी सौगात

धरसीवा। राजनीति जब जनसेवा और सामाजिक सरोकार का माध्यम बनती है, तो बदलाव की एक नई इबारत लिखी जाती है। धरसीवा विधायक अनुज शर्मा के जन्मदिन के अवसर पर क्षेत्र को सौगातों और उम्मीदों की एक ऐसी ही नई सौगात मिली, जिसने किसी का दिल जीत लिया तो किसी को हौसलों की नई उड़ान दे दी। विधायक अनुज शर्मा की इस जनहितैषी सोच और प्रेरणादायक पहल के सेतु बनते ही सिलतारा क्षेत्र का नामचीन उद्योग 'शारदा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड' सामाजिक जिम्मेदारी निभाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे आया है। इस गरिमामयी और भव्य कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय विशेष रूप से शामिल हुए। मुख्यमंत्री की मौजूदगी में उद्योग प्रबंधन ने न केवल क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए कदम उठाए, बल्कि एक होनहार बेटी के भविष्य को संवारने का जिम्मा भी अपने कंधों पर ले लिया।

इस पूरे भगीरथ प्रयास में शारदा एनर्जी लिमिटेड ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के तहत



क्षेत्र को दो बड़ी सौगातें दी हैं। उद्योग प्रबंधन ने संवेदनशीलता दिखाते हुए धरसीवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की सुध ली और वहां मरीजों की सहूलियत के लिए करीब 10 लाख रुपये की लागत वाली अत्याधुनिक सोनोग्राफी मशीन प्रदान की। इसके साथ ही, रायपुर जिले के ग्राम नहरडीह की मेधावी छात्रा हेमलता साहू, जिसने विपतीत परिस्थितियों में साइकिल से 7 किलोमीटर का सफर तय कर 12वीं की बोर्ड परीक्षा में राज्य में पांचवां स्थान हासिल किया है, उसकी आगे की उच्च शिक्षा का पूरा खर्च उठाने

की जिम्मेदारी भी उद्योग समूह ने ली है।

जनहितैषी पहल की सराहना : इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने विधायक अनुज शर्मा को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनको इस अनूठी पहल की जमकर सराहना की। मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधनों में कहा कि आज राजनीति और जनसेवा का एक आदर्श स्वरूप यहां देखने को मिल रहा है। अनुज शर्मा ने अपने जन्मदिन को दिखावे से दूर रखकर सीधे जनता के सरोकार से जोड़ा है, जो बेहद प्रेरणादायक है।

खबर संक्षेप

क्रांति सेना की पहल

पर मिलेगा मुआवजा

रायपुर। औद्योगिक क्षेत्र उरला स्थित आरआर इस्पात संयंत्र में हुई जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी द्वारा किया गया मृतक श्रमिक के परिवार को न्याय दिलाने के लिए छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना और आंदोलन के सामने झुकते हुए कंपनी प्रबंधन ने पीड़ित परिवार को सहायता देने की घोषणा की है। हुए समझौते के अनुसार पीड़ित परिवार को 30 लाख मुआवजा, पेंशन सुविधा एवं बच्चों की शिक्षा तथा परिवार के एक सदस्य को योग्यता के अनुसार नौकरी प्रदान की जाएगी। संगठन के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह केवल एक परिवार की जीत नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़िया मजदूरों के आत्मसम्मान की जीत है। छत्तीसगढ़िया समाज पर होने वाले किसी भी अन्याय के खिलाफ वे इसी तरह मजबूती से खड़े रहेंगे। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण और संगठन के सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निधन

जगदीश कुमार भल्ला

रायपुर। ऐश्वर्या एम्पायर निवासी

रितायर्ड डीजीएम जगदीश कुमार भल्ला का 16 मई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 17

मई को दोपहर 1 बजे उनके निवास स्थान से तेलीबांधा मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे रोहित भल्ला के पिता थे।

पितांबर सिंह

रायपुर। टेकारी वाले मठपुरेना

निवासी पितांबर सिंह (70) का 16 मई को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 17 मई को

महादेव घाट श्मशान घाट में सुबह 10 बिया जाएगा। वे तपनसिंग के बड़े भाई और गोप्पन्ना राम के बड़े पिता थे।

हरिभूमि न्यूज़

दुर्गा तथा रायपुर में सीबीआई ने एक महिला अभ्यर्थी की शिकायत

- सीबीआई ने एक महिला तथा एक पुरुष कर्मों को गिरफ्तार कर पूछताछ के लिए चार दिनों के लिए रिमांड पर लिया
- रायपुर में सीबीआई की स्पेशल कोर्ट में पेश कर पूछताछ करने चार दिनों के लिए रिमांड हासिल की है।

पर रेलवे के दो कर्मों को स्पोर्ट्स कोटा में नौकरी लगाने के नाम पर पांच लाख रुपए रिश्तत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान जांच टीम ने डीआरएम कार्यालय स्थित कार्मिक विभाग और अन्य संबंधित सेल में कई अहम दस्तावेजों की जांच कर अपने कब्जे में लिया है। गिरफ्तार आरोपियों को सीबीआई ने शनिवार को रायपुर में सीबीआई की स्पेशल कोर्ट में पेश

सीबीआई ने बिलासपुर, रायपुर में की छापे की कार्रवाई



भर्ती में घोटालों की जांच से जोड़कर देखा जा रहा

सीबीआई ने राज्य में इसके पूर्व व्यापम और सीजीपीएससी भर्ती घोटालों की जांच कर कार्रवाई की है। ऐसे में रेलवे भर्ती से जुड़ा यह मामला भी काफी गंभीर माना जा रहा है और इसकी जांच को बेहद अहम बताया जा रहा है। इस पूरे प्रकरण में सीबीआई दोनों आरोपियों से पूछताछ के बाद रेलवे से जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ आने वाले दिनों में कार्रवाई कर सकती है।

200 से ज्यादा सफाई वाहनों के पहिए थमे तीसरे दिन भी नहीं उठा घरों से कचरा

हरिभूमि न्यूज़

वेतन बढ़ाने, पीएफ और ड्यूटी टाईमिंग सहित 18 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे सफाई कर्मचारियों का प्रदर्शन शनिवार को उग्र हो गया। दलदल सिवनी के सेंटर में चल रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों की पुलिस से झमाझटकी भी हुई। आंदोलन कर रहे कर्मचारियों को गाड़ियों में भरकर मोवा थाना ले जाया गया। वहीं एक कर्मचारी आंदोलन के दौरान बेहोश हो गया, जिससे कुछ देर तक अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। हालांकि देर शाम चर्चा के बाद मामला सुलझ गया और सफाईकर्मियों ने रविवार से काम पर लौटने की बात कही।

शुक्रवार को महापौर मीनल चौबे की चेतावनी के बाद शनिवार को सुबह तहसीलदार और निगम के अधिकारी पुलिस के साथ आंदोलन स्थल पहुंचे। हड़ताल खत्म न करने पर लाठीचार्ज भी किया गया। रामकी के 200 से अधिक सफाई वाहनों के 800 वाहन चालक और हेलपर पिछले तीन से काम ठप कर हड़ताल कर रहे हैं। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के कारण लोगों के घरों से कचरा कलेक्शन का काम पूरी तरह ठप हो गया है। शनिवार को भी कमोबेश यही स्थिति पूरे शहर में बनी रही। लोग घरों के सामने डस्टबिन लेकर सफाई वाहन का इंतजार करते रहे, पर घंटों राह देखने के बाद भी मोहल्लों में रामकी के कर्मचारी डोर टू डोर कचरा कलेक्शन करने नहीं आए। इस बात को लेकर लोगों में खासी नाराजगी देखी जा रही है। नगर निगम प्रशासन अब तक शहर में सफाई की वैकल्पिक व्यवस्था नहीं कर पाया है।

हड़ताल खत्म, आज से लौटेंगे कर्मचारी



स्वच्छता अभियान को लेकर वैकल्पिक व्यवस्था नहीं, इधर उधर फेंक रहे कूड़ा

रामकी के सफाई वाहन कर्मचारियों की हड़ताल से जहां शहर की सफाई व्यवस्था लड़खड़ा गई है, वहीं केंद्रीय स्वच्छता सर्वेक्षण के सिलसिले में दिल्ली से टीम शहर की गाड़ियों कचरा कलेक्शन के लिए निकलेगी। पर रामकी कंपनी के 78 करोड़ के बकाया बिल मुगतान को लेकर निगम प्रशासन ने कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया है। एकमुश्त बकाया बिल मुगतान का मसला जस का तस है।

रामकी के बकाया मुगतान पर कोई आश्वासन नहीं

तीन दिनों तक डोर टू डोर कचरा कलेक्शन ठप रहने के बाद रविवार को एक बार फिर शहर में रामकी की गाड़ियां कचरा कलेक्शन के लिए निकलेगी। पर रामकी कंपनी के 78 करोड़ के बकाया बिल मुगतान को लेकर निगम प्रशासन ने कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया है। एकमुश्त बकाया बिल मुगतान का मसला जस का तस है।

हड़ताल खत्म, रविवार से लौटेंगे काम पर, 18 सफाई कर्मचारियों को नोटिस

रामकी के सफाई कर्मचारी और प्रबंधन तथा नगर निगम के बीच बातचीत के बात सफाई कर्मचारियों ने अपनी हड़ताल खत्म कर दी है। रविवार से शहर में सफाई वाहनों के चालक, हेलपर काम पर लौट जायेंगे। वहीं डोर टू डोर कचरा कलेक्शन कार्य में अड़ना लगाने और कार्य बाधित करने को लेकर रामकी ने 18 कर्मचारियों को नोटिस जारी कर दिया है। कंपनी के सिटी हेड योगेश कुमार ने हरिभूमि को बताया कि मंगलवार को रामकी प्रबंधन, श्रम विभाग और नगर निगम के अधिकारियों की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई है। जिसमें सफाई कर्मचारियों की मांग और उनकी समस्याओं पर चर्चा कर विचार किया जाएगा। योगेश कुमार ने बताया कि शनिवार को सफाई वाहन निकालते समय कुछ गाड़ियों के शीसा तोड़ने वालों को स्थल से पुलिस शकड़कर ले गई। बाद में उन्हें समझाइश देकर छोड़ दिया गया।

78 करोड़ का मुगतान अटका, सफाई पर असर

शहर की सफाई व्यवस्था का जिम्मा लेने वाली रामकी कंपनी ने कचरा कलेक्शन का काम पूरी तरह बंद कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी का आरोप है कि रायपुर नगर निगम ने मार्च 2025 से अब तक करीब 78 करोड़ रुपए के बकाया बिल का मुगतान नहीं किया है। अधिकारियों का कहना है कि शहरी सरकार और निगम प्रशासन का बार-बार ध्यान आकर्षित कराने के बाद भी केवल आंशिक मुगतान किया जा रहा है, जबकि डीजल, गाड़ियों के मेंटेनेंस कर्मचारियों के वेतन सहित अन्य खर्च लगातार बढ़ते जा रहे हैं। वहीं डोर टू डोर कचरा कलेक्शन में लगे ड्राइवर, हेल्पर भी वेतन बढ़ाने, समय पर वेतन मुगतान, पीएफ दिलाने काम की टाईमिंग को लेकर कंपनी प्रबंधन पर दबाव बनाने में लगे हैं, जिसका अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है।

हड़ताल खत्म, कर्मचारी काम करने सहमत

रामकी के सफाई कर्मचारियों की हड़ताल खत्म हो गई है, समझाइश के बाद कर्मचारी काम करने सहमत हुए हैं।

- मीनल चौबे, महापौर नगर निगम रायपुर

प्रगतिशील यादव महासंघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ



हरिभूमि न्यूज़

प्रगतिशील यादव महासंघ द्वारा सिविल लाइन स्थित वृंदावन हॉल में शुक्रवार को शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शपथ ग्रहण अधिकारी राममणि यादव ने

महासंघ के विभिन्न पदाधिकारियों को शपथ दिलाते हुए श्रीकृष्ण भगवान के गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली और ग्वाल-बाल की लारियों के साथ उठाने के प्रसंग का उद्धोहन करते हुए संगठन की एकता का महत्व बताया। साथ ही 1 अप्रैल से अब तक बने 30 नए सदस्यों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि बिल्डर्स विजय यादव ने जोरा स्थित प्रस्तावित यादव वीर अहीर सदन के लिए पांच लाख रुपए देने की घोषणा की तथा आश्वासत किया कि सुपरविजन निशुल्क रहेगा। इसी दौरान रविंद्र सिंह दत्ता, डॉयरेक्टर हॉटल मेहराब इन की ग्यारह हजार रुपए की आर्थिक मदद देने की घोषणा ने आनंद उत्सव को योगुना कर दिया। महासचिव निरंजन सिंह यादव ने बताया कि इस कार्यक्रम में मैट्रस यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर डा. केपी यादव, श्रीकांत यादव, हैपीनेस कोच शीलू शर्मा, मधु निरंजन यादव, रमी यादव, मिथिलेश यादव, मुकेश यादव, आयुष राजेश यादव आदि शामिल थे।

बिजनेस साइट

एसबीएच के लेसिक अभियान में 20 मरीजों को मिली नई रोशनी



रायपुर। साई बाबा आई हॉस्पिटल (एसबीएच) द्वारा आयोजित विशेष लेसिक अभियान को उल्लेखनीय सफलता मिली है। अभियान के अंतर्गत 20 मरीजों को सफल सर्जरी की गई, जिसके बाद सभी मरीज चश्मे से मुक्त होकर सामान्य जीवन जी रहे हैं। अस्पताल प्रबंधन ने इस सामाजिक पहल को व्यापक स्तर तक पहुंचाने में सहयोग देने के लिए मीडिया का आभार व्यक्त किया है। अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. आशीष महोबिया ने बताया कि लोगों में लेसिक सर्जरी के प्रति बढ़ती जागरूकता और उत्साह को देखते हुए अस्पताल ने नई पहल शुरू की है। इसके तहत आगामी 20 दिनों तक लेसिक सर्जरी से पहले की जाने वाली प्रारंभिक जांच निशुल्क की जाएगी, जिसकी सामान्य लागत करीब 5 हजार रुपए है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन एक गरीब बच्ची की निशुल्क सर्जरी भी की जाएगी। इसके लिए अत्योद्य गरीबी रेषा कार्ड आवश्यक होगा। अस्पताल पिछले 22 वर्षों से आधुनिक नेत्र चिकित्सा और टचलेस लेसिक तकनीक के माध्यम से सेवाएं प्रदान कर रहा है।

जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में मरीजों का भरोसा जीत रहा श्री मेडिशाइन हॉस्पिटल



रायपुर। श्री मेडिशाइन हॉस्पिटल जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्षेत्र में तेजी से मरीजों की पहली पसंद बनता जा रहा है। आधुनिक तकनीक, अनुभवी विशेषज्ञों और बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण देशभर से मरीज यहां उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। अस्पताल में अब तक 51 मरीजों का सफल जॉइंट रिप्लेसमेंट उपचार किया जा चुका है। अस्पताल में घुटना प्रत्यारोपण, कूल्हा प्रत्यारोपण सहित अन्य जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी अत्याधुनिक तकनीकों के माध्यम से की जा रही है। उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों से मरीज यहां इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। अस्पताल के डायरेक्टर डॉ. सुशील शर्मा ने बताया कि सर्जरी के बाद कई मरीज सामान्य जीवन में लौट चुके हैं। अस्पताल में फिजियोथेरेपी, पुनर्वास और विशेष देखभाल की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। विश्वास, अनुभव और आधुनिक उपचार का संगम के संदेश के साथ अस्पताल स्वास्थ्य सेवाओं में नए आयाम स्थापित कर रहा है।

कैसे होगी किराए के टैंकर के फेरों की निगरानी, 61 पानी टैंकर, 40 में जीपीएस, 21 में निगरानी का सिस्टम ही नहीं

हरिभूमि न्यूज़

राजधानी के जलसंकट प्रभावित वार्डों में इस समय 61 किराये के पानी टैंकर संचालित किए जा रहे हैं। इन टैंकरों में से केवल 40 पानी टैंकरों पर नगर निगम जल वितरण व्यवस्था की निगरानी के लिए जीपीएस सिस्टम लगा पाया है, 21 पानी टैंकर अभी भी ऐसे हैं जिसमें जीपीएस सिस्टम नहीं लगा है। ऐसे में बिना जीपीएस सिस्टम के पानी टैंकरों के फेरों की निगरानी को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने पहले ही किराये के टैंकर संचालन में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए इसका भुगतान केवल जीपीएस ट्रैकिंग के आधार पर करने की मांग जोर-शोर से उठाई है। उनका कहना है कि कागजों पर फर्जी फेरों पर रोक लगाने और भुगतान प्रक्रिया में पारदर्शिता के लिए जीपीएस सिस्टम अनिवार्य रूप से होना ही चाहिए। नगर निगम के जल विभाग द्वारा इस बार गर्मी के सीजन में किराये के पानी टैंकर टेंडर ठेकेदारों के लिए पानी टैंकर में जीपीएस सिस्टम अनिवार्य रूप से लगाने की शर्त शामिल नहीं करने की वजह से निगम प्रशासन को जमकर किरकिरी हुई।



सफाई गाड़ियों के लिए 50 जीपीएस सिस्टम, खाली टैंकरों में उसी का उपयोग

पंद्रहवें वित्त आयोग मद से रायपुर नगर निगम द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत निगम की सफाई गाड़ियों की निगरानी के लिए जीपीएस सिस्टम कय किए गए, उन्ही में से 50 जीपीएस सिस्टम जिसका उपयोग नहीं हो पाया उसे किराये के पानी टैंकरों में लगवाया जा रहा है। नगर निगम के आईटी शाखा के माध्यम से यह कार्य हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक हाल ही में निगम आयुक्त संक्षिप्त मिश्रा ने जब समीक्षा बैठक ली इस दौरान उन्हें अधिकारियों ने बताया कि किराये के 38 पानी टैंकरों में जीपीएस सिस्टम लगाने का काम पूरा हुआ है। बैठक में निगम आयुक्त ने किराये के सभी पानी टैंकरों में जीपीएस सिस्टम लगाने जोन कमिश्नरी को निर्देशित किया। इसके बाद से अलग-अलग जोन कमिश्नरी से किराये के पानी टैंकरों में जीपीएस सिस्टम लगवाने निगम मुख्यालय को घड़घड़ फोन आने लगे। सूत्रों के मुताबिक 40 पानी टैंकर में जीपीएस सिस्टम लगा लिया गया है। महापौर मीनल चौबे और निगम आयुक्त ने पहली ही स्पष्ट कर दिया है कि बिना जीपीएस सिस्टम से निगरानी के टैंकर किराये का बिल मुगतान नहीं किया जाएगा। इसे लेकर हड़कप मचा हुआ है।

इन जोन में सबसे ज्यादा किराये के पानी टैंकर

नगर निगम के 10 जोन में से 3 जोन ऐसे हैं जहां पेयजल संकट की स्थिति ज्यादा खराब है, इसके चलते जोन 3, जोन 5 और जोन 9 कमिश्नरी में सबसे ज्यादा किराये के पानी टैंकर संचालित किए जा रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने कहा है एक सप्ताह से यह मामला चल रहा है इसके बाद भी किराये के सारे पानी टैंकरों में जीपीएस सिस्टम नहीं लग पाया नगर निगम प्रशासन की जवाबदेही को दर्शाता है। टैंकर टेंडर से इसकी अविचार्यता होनी थी पर ऐसा नहीं हुआ। आनन-फानन में नगर निगम अपने खर्च पर किराये के पानी टैंकर में जीपीएस सिस्टम लगावा रहा है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने आयोजित किया एमएसएमई ऋण आउटरीच कार्यक्रम

रायपुर। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा देशव्यापी एमएसएमई ऋण आउटरीच कार्यक्रम के तहत रायपुर में छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स सभागार में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य उद्यमियों को बैंक की नई एमएसएमई ऋण योजनाओं की जानकारी देना तथा ऋण वितरण प्रक्रिया को बढ़ावा देना था। इसमें लगभग 70 उद्यमियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में बैंक अधिकारियों ने एमएसएमई प्रोडक्ट्स की विस्तृत जानकारी देते हुए उद्यमियों से सुझाव एवं समस्याओं पर फीडबैक लिया। अधिकारियों ने प्रक्रियाओं में सुधार का आश्वासन भी दिया। मुख्य अतिथि के रूप में जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के मुख्य महाप्रबंधक एम.एस. पैकरा, कारटेल् लाइफ



साईस प्रा. लि. के डायरेक्टर उत्कर्ष भवसिंका तथा मुंबई मुख्यालय से आए महाप्रबंधक शशिधर के. उपस्थित रहे। रायपुर अंचल प्रमुख राकेश भूतड़ा के नेतृत्व और क्षेत्रीय प्रमुख प्रफुल्ल बंसल के समन्वय में आयोजित कार्यक्रम में 50 हितग्राहियों को लगभग 132 करोड़ रुपये के एमएसएमई ऋण स्वीकृत किए गए। कार्यक्रम का समापन सहायक महाप्रबंधक सुनीत राणा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कोलंबिया की सुश्री महापात्रा को पीएचडी उपाधि, सोलर पॉवर सिस्टम पर किया शोध

रायपुर। कोलंबिया इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की सहायक प्राध्यापक एवं विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स अभियांत्रिकी विभागाध्यक्ष सुश्री महापात्रा को छत्रपति शाहूजी महाजल यूनिवर्सिटी द्वारा पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उन्होंने 'सोलर इंटीग्रेटेड इलेक्ट्रिक पावर डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टमन विषय पर बैटरी एनर्जी स्टोरेज के ऑप्टिमल संचालन से संबंधित शोध कार्य प्राध्यापक डॉ. विशाल अवस्थी के मार्गदर्शन में पूर्ण किया। यह शोध तकनीकी, आर्थिक एवं विश्वसनीयता आकलन पर आधारित है। संस्थान प्रबंधन ने इसे शैक्षणिक उत्कृष्टता और अनुसंधान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। इस अवसर पर कोलंबिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स के प्राचार्यों, फैकल्टी एवं स्टाफ सदस्यों ने सुश्री महापात्रा को शुभकामनाएं दीं।



डाक अदालत 20 मई को, सुलझेंगी समस्याएं

रायपुर। प्रवर अधीक्षक डाकघर रायपुर संभाग रायपुर द्वारा स्टेशन रोड स्थित रायपुर गंज उपडाकघर परिसर के कार्यालय में 20 मई को डाक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम डाक सेवाओं से संबंधित ग्राहकों की शिकायतों पर प्रत्यक्ष परिचर्चा करके उनका समाधान करने के लिए किया जाएगा। 'डाक अदालत' सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक लगाई जाएगी। डाक सेवाओं से संबंधित समस्त शिकायतें जैसे डाक वस्तुओं का वितरण, काउंटर सेवाएं, लघुबचत योजनाएं (आरडी, बचत बैंक, बचत पत्र इत्यादि) रजिस्ट्री, मनीआर्डर, वीपीपी पार्सल, एक्सप्रेस पार्सल, स्पीड पोस्ट, मनीआर्डर, डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा से संबंधित शिकायतों का समाधान डाक अदालत में किया जाएगा।

तूफान के साथ

में आंधी तूफान से 9 बड़े बिजली खंबों पर गिरने से डीडीनगर, शांतिविहार कालोनी, रोहणीपुरम में घंटों अंधेरा छाया रहा।

बूढ़ापारा में रायपुर स्मार्ट सिटी के पुराने दफ्तर के पास इंडोर स्टेडियम वाला नाला उफान पर रहा। इसके चलते बूढ़ापारा के गणेश मंदिर, शदाणी चौक सहित आसपास के मुख्य मार्ग में जलभराव से लोग परेशान रहे। जोन अध्यक्ष मुल्ली शर्मा प्रभावित इलाकों में पहुंचकर जलभराव की समस्या के निराकरण में डटे रहे।

जगह-जगह पेड़ गिरे, सड़क यातायात बाधित, घंटों बिजली गुल, डीडी नगर में बिजली पोल पर पेड़ गिरा : शनिवार को हुई झमाझम बारिश और तेज रफ्तार से चले आंधी तूफान में दुर्गा चौक टिकरापारा, देवपुरी बाजार के पास, रामनगर पुलिस चौकी के पास विशाल पेड़ गिर गए। बलौदाबाजार मार्ग में अंबुजा माल के पास सड़क पर पेड़ गिरने से वीआईपी तिराहा से सड़ु मार्ग अवरुद्ध रहा। पुलिस ने आम जनता को वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने एडवाइजरी जारी की। सड्डु हाउसिंग बोर्ड कालोनी में अचानक तेज हवा चलने से विशाल पेड़ उखड़ कर सड़क पर आ गिरा।

पेज 11 के शेष ...

मकान का छज्जा

से लोग परेशान रहे। नाले का गंदा पानी शदाणी चौक ढाल में भी भर गया, इससे लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई। गोलबाजार इलाके में जलभराव से इस क्षेत्र के व्यापारी परेशान रहे।

आयुष्मान से मोतियाबिंद

की भागीदारी भी है। स्वास्थ्य सहायता योजना के माध्यम से मोतियाबिंद की सर्जरी का पैकेज नहीं होने के बाद भी निजी अस्पताल आंकड़ों में सरकारी अस्पताल से काफी आगे है।

अमी इन 16

0 कबीरधाम, 0 गरियाबंद, 0 सक्ती, 0 मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, 0 खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, 0 सारंगढ़-बिलाईगढ़, 0 गोरैला-पेंड्रा-मरवाही।

आईपीएल मैच से

लौज की राशि से कहीं अधिक की कमाई कर चुका है। लगातार मैचों के आयोजन से हुए इस आर्थिक लाभ का इस्तेमाल अब स्टेडियम के रेनोवेशन में किया जाएगा। जून में प्रस्तावित छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग के बाद रेनोवेशन का कार्य शुरू कर दिया जाएगा, जिससे स्टेडियम को और अधिक आधुनिक रूप दिया जा सके।

खबर संक्षेप



पेट्रोल पंप में पुलिस हेलपलाइन नंबर

रायपुर। पेट्रोल पंप संचालकों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा तथा आपातकालीन स्थिति में त्वरित पुलिस सहायता उपलब्ध कराने हेतु प्रमुख एवं दुष्टिगोचर स्थानों पर इमरजेंसी कॉन्टेक्ट नंबर चस्पा किए जा रहे हैं। उक्त पोस्टरों में पुलिस कंट्रोल रूम, संबंधित स्थानीय थाना प्रभारी, डॉयल-112 सहित अन्य महत्वपूर्ण हेलपलाइन नंबर अंकित किए गए हैं, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि अथवा आपराधिक घटना की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दी जा सके। साथ ही पेट्रोल पंप संचालकों एवं कर्मचारियों को रात्रिकालीन सतर्कता, संदिग्ध व्यक्तियों पर निगरानी रखने, सीसीटीवी कैमरे सक्रिय रखने तथा नकदी के सुरक्षित प्रबंधन संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए जा रहे हैं।

दंतेवाड़ा जिला अस्पताल को मिला एनक्यूएएस रायपुर।

दंतेवाड़ा जिला चिकित्सालय को भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (एनक्यूएएस) प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय और जिला प्रशासन के नेतृत्व में जिले के स्वास्थ्य केंद्रों को राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप विकासित करने का कार्य लगातार किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला चिकित्सालय दंतेवाड़ा ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। जिला चिकित्सालय द्वारा बताया गया कि केंद्र सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय की टीम द्वारा अस्पताल का विस्तृत मूल्यांकन किया गया।

ग्रीन आर्मी की नारी शक्ति अब वर्क फ्रॉम होम से करेंगी पर्यावरण संरक्षण



रायपुर। ग्रीन आर्मी संस्था की नारी शक्ति को एक महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश अस्थक अमिताभ दुबे के नेतृत्व में हुई। इस दौरान विभिन्न वार्डों से लगभग 25 से 30 महिला शक्ति को सक्रिय उपस्थिति रही। बैठक का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को पर्यावरण संरक्षण के कार्यों से जोड़ते हुए “वर्क फ्रॉम होम” प्रणाली के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाने हेतु प्रशिक्षित करना रहा। बैठक के दौरान सभी महिला सदस्यों को ऑनलाइन जुम मीटिंग की कार्यप्रणाली, डिजिटल माध्यम से जनसंपर्क तथा डीजल-पेट्रोल की बचत करते हुए पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को प्रभावी रूप से संचालित करने संबंधी दिशा-निर्देश दिए गए। वृक्ष संरक्षण, घर-घर नर्सरी अभियान, पौधों को जल अर्पण, जल संरक्षण हेतु वाटर लीकेज, नलों की टेस्टिंगां लगवाना, ठीक करवाना, तालाब सफाई अभियान, सिंगल यूज प्लास्टिक बंद करने हेतु “मेरा घर पॉलीथीन फ्री” अभियान, घर-घर स्वच्छता अभियान, नगर निगम के रंग आधारित कचरा पृथक्करण व्यवस्था का पालन, नालियों में कचरा न फेंकने की जागरूकता तथा पशु-पक्षियों के लिए दाना-पानी (सकोरा) की व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे।

online Booking-www.tripurayatra.com

सुविधा, ज्योत्ना सबसे कम राशि पर

बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया से लेकर

स्पेशल ट्रेन से - 19 दिसम्बर से 29 दिसम्बर 2026 (11 दिन)

रामेश्वरम् धाम यात्रा

19 मई, 02 जून, 28 जुलाई, 11 अगस्त, 08 सितम्बर, 29 सितम्बर 2026 (10 दिन)

श्री रामेश्वरम् धाम ज्योतिर्लिंग, श्री तिरुपति बालाजी, श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग, मदुरै श्री गीताक्षीदेवी, श्री कन्याकुमारी, त्रिवेन्द्रम (पदमानाभ स्वामी)

नोट:- स्पेशल ट्रेन में त्रिवेन्द्रम पदमानाभ स्वामी नहीं रहेगा।

राशि:- स्त्रीपर 16,500/-, 3 स्त्री- 27,500/-, 2 स्त्री 32,500/- (+5% GST)

Since-2007

श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति

संपर्क करें:- 7354-411411

प्रदेश में 4 हजार 755 तालाब हुए लबालब, भीषण गर्मी से मिली बड़ी राहत

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रायपुर

वर्तमान में भीषण गर्मी के दौरान तालाबों में पानी की कमी से जूझ रहे लोगों को राहत पहुंचाने के लिए जल संसाधन विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत प्रदेश में सुख रहे 4 हजार 755 तालाबों को अब तक विभाग द्वारा त्वरित पहल करते हुए नहरों के माध्यम से भरा जा चुका है और जरूरत के मुताबिक शेष तालाबों में भी पानी भरने का कार्य तेजी से जारी है।



उल्लेखनीय है कि वर्तमान में भीषण गर्मी ने पूरे देश को अपने चपेट में ले रखा है, इससे छत्तीसगढ़ भी अछूता नहीं है। इससे जल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है और ग्रामीण क्षेत्र में पानी का प्रमुख स्रोत तालाब भी जलविहीन हो रहे हैं। ऐसे हालात में लोगों को राहत पहुंचाने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा के अनुरूप जल संसाधन विभाग द्वारा राज्य में सुख रहे तालाबों में जल भराव का कार्य तेजी से चलाया जा रहा है।



सूखते तालाबों को जीवनदान देने जल संसाधन विभाग का विशेष अभियान

रायपुर जिले के 663 तालाबों में जल भराव

जल संसाधन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार इनमें सर्वाधिक रायपुर जिला के अंतर्गत निस्तारी हेतु प्रस्तावित कुल 783 तालाबों में से अब तक 663 तालाबों में जल भराव हेतु नहर से पानी दिया जा चुका है। इसी तरह बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के 586 तालाबों में से 504 तालाबों, धमतरी जिले के 508 तालाबों में से 329 तालाबों में पानी भरा जा चुका है। इस तरह प्रदेश के अनुमूलन सभी जिलों के तालाबों में पानी भराव का कार्य किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र में लोगों के निस्तारी आदि की समस्या का तत्काल समाधान हो सके।

जल संरक्षण और वाटर रीचार्ज

उल्लेखनीय है कि जल संसाधन विभाग द्वारा विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं के तहत नहरों के माध्यम से पानी को तालाबों तक पहुंचाने के लिए यह योजना जल संरक्षण और वाटर रीचार्ज की दिशा में एक दूरदर्शी और प्रभावी कदम साबित हो रही है। जल संसाधन विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ में जल दोहन सहित अन्य कारणों से सूखते तालाबों के लिए नहरों से पानी का पहुंचाया जाना अत्यंत लाभकारी साबित हो रहा है।

ट्रांसपोर्ट का खर्च बचाने के लिए ओवरलोड माल ट्रकों में लादकर परिवहन करा रही निजी कंपनियां

सड़कों पर मौत बनकर दौड़ रहे ओवरलोड भारी वाहन, क्षमता से अधिक भरा जा रहा माल

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रायपुर

राजधानी रायपुर सहित जिले के राष्ट्रीय राजमार्गों से लेकर शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की मुख्य सड़कों पर ओवरलोड भारी वाहन दौड़ रहे हैं। इन भारी वाहन में ज्यादातर 6 चक्का, 10 चक्का एवं 12 चक्का वाहन शामिल हैं। इन गाड़ियों में क्षमता से अधिक माल की लोडिंग कराकर परिवहन किया जा रहा है। कई निजी कंपनियां जहां ट्रांसपोर्ट का खर्च बचाने के लिए ओवरलोड माल ट्रकों में लादकर परिवहन करा रही हैं, वहीं दूसरी ओर कई ट्रांसपोर्ट एजेंसियां शासकीय विभागों से भी जुड़ी हुई हैं। इनमें खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग अंतर्गत उपाजर्जन केंद्रों से राइस मिलों के माध्यम से धान का उठाव कर नागरिक आपूर्ति निगम के गोदामों में धान के बदले चावल भारी वाहन के माध्यम से जमा कराया जाता है। ट्रांसपोर्टिंग के दौरान पेट्रोल-डीजल का खर्च बचाने के लिए कई वाहन में क्षमता से अधिक चावल की ढुलाई कराकर परिवहन कराया जा रहा है। इन ओवरलोड वाहन के कारण सड़कों पर हर दिन दुर्घटनाओं की भी संभावना बनी रहती है।



10 चक्का वाहन की क्षमता 28 टन, भरा जा रहा 30 से 31 टन

सूत्रों से पता चला है कि केंद्रीय परिवहन विभाग की गाइड लाइन के अनुसार माल वाहन गाड़ियों की क्षमता निर्धारित की गई है। इसके तहत छह चक्का ट्रक का वजन 19 टन है। इसी प्रकार 10 चक्का ट्रक के लिए वजन लगभग 28.5 टन, 12 चक्का ट्रक के लिए 36 टन, 14 चक्का ट्रक के लिए 43.5 टन एवं 18 चक्का ट्रक के लिए 47.5 टन है। यानी कौन सा वाहन कितने टन माल की ढुलाई करेगा, यह तय है। इस गाइड लाइन के बावजूद कई वाहन में क्षमता से अधिक माल की ढुलाई कर परिवहन कराया जा रहा है। यानी 10 चक्का वाहन में 28 टन की जगह 30 टन माल लौट कराकर परिवहन किया जा रहा है।

केस 1

रायपुर शहर से सारागांव जाने वाले मार्ग पर चावल से लदे भारी वाहन में क्षमता से अधिक चावल भरकर परिवहन किया जा रहा है। इस मार्ग पर चावल से लदा 12 चक्का ट्रक जिसका नंबर सीजी04 आईआर 6253 ओवरलोड था। इस ट्रक के पीछे का एक चक्का फटा हुआ था, वहीं ट्रक एक तरफ झुककर चल रहा था। ट्रक में इतना अधिक चावल से भारी बोरियां लाद दी गई थीं कि बारियों का आधा हिस्सा ट्रक के बाहर लटक रहा था।

केस 2

इसी मार्ग पर 12 चक्का ट्रक सीजी04एलजेड4782 में भी चावल से भारी बोरियां क्षमता से अधिक लादी गयी थीं। ओवरलोडिंग के कारण ट्रक के बाहर भी कई बोरियों का आधा हिस्सा लटक रहा था।

केस 3

इसी प्रकार ट्रक सीजी04-3056 में भी चावल परिवहन कर ले जाया जा रहा था। इस ट्रक में क्षमता से अधिक चावल की बोरियां लदी हुई थीं।

पूर्व में हो चुके हैं कई हादसे

ओवरलोड वाहन के परिवहन के कारण पूर्व में कई बार सड़क दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिसमें लोगों की जानें भी गई हैं। ऐसा ही एक हादसा तीन माह पूर्व राजधानी रायपुर के विधानसभा थाना क्षेत्र अंतर्गत डीपीएस स्कूल के पास हुआ था, जिसमें धान से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया था। ट्रक के पलटने से धान से भारी बोरियां वहां से गुजर रही एक कार पर जा गिरी थीं, जिसके कारण उस पर सवार 3 लोगों की दबकर मौत हो गई थी।

वेयर हाउस कार्पोरेशन की प्रयोगशाला एफडीए के इंटीग्रेटेड लैब में होगी तब्दील, पीपीपी मोड पर संचालन की योजना

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रायपुर

औषधि तथा खाद्य पदार्थों की जांच की क्षमता और सुविधा बढ़ाने के लिए वेयर हाउस कार्पोरेशन की प्रयोगशाला को खाद्य एवं औषधि प्रशासन के इंटीग्रेटेड लैब के रूप में तब्दील किया जाएगा। नया भवन में लगने वाले वक्त और आधुनिक लैब को शीघ्र शुरू करने के लिए यह योजना बनाई गई है। भवन हैंडओवर होते ही उसमें जरूरत के हिसाब से बदलाव कर पीपीपी मोड पर इसका संचालन किया जाएगा। राज्य में खाद्य पदार्थों और दवाओं की जांच के लिए अभी जिस प्रयोगशाला का उपयोग किया जाता है, उसकी क्षमता काफी सीमित है। कई तरह की बड़ी जांच के लिए सैंपल अन्य राज्यों को भेजा जाता है। जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन की आधुनिक प्रयोगशाला तैयार करने शासन द्वारा 46.49 करोड़ की योजना को स्वीकृति दी गई थी। शुरुआती दौर में लैब बनाने के लिए नवा रायपुर में जमीन की तलाश की

जा रही थी, मगर निर्माण कार्य और लैब तैयार करने में काफी वक्त लगने की संभावना को ध्यान में रखते हुए इसके निर्माण के लिए वेयर हाउस कार्पोरेशन के लैब को उपयुक्त माना गया है।

जानकार सूत्रों के अनुसार खाद्य एवं औषधि की जांच के अनुसार यहां बदलाव और आवश्यक निर्माण कर इसे कम समय में चालू किया जा सकेगा। लैब का निर्माण पूरा करने के बाद इसके संचालन के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप की योजना लागू की जाएगी। इसमें जांच रिपोर्ट जारी करने और व्यवस्था की निगरानी



करने वाले एफडीए के अफसर होंगे और जांच की प्रक्रिया और जरूरी उपकरणों की व्यवस्था और रखरखाव के लिए आउटसोर्सिंग की जाएगी।

दूसरे राज्यों से भी आएंगे सैंपल

वर्तमान में सीमित संसाधन होने की वजह से कई तरह के सैंपलों को जांच के लिए मान्यता प्राप्त लैब में भेजना पड़ता है। इससे पैसे के साथ समय की बर्बादी होती है। खाद्य एवं औषधि के लैब को मान्यता मिलने के बाद दूसरे राज्यों के सैंपलों को भी यहां भेजकर जांच कराया जा सकेगा। खाद्य एवं औषधि प्रशासन में आवश्यकता के अनुसार मानव संसाधन की पूर्ति के लिए भर्ती किए जाने की प्रक्रिया विभागीय स्तर पर पूरी की जा रही है।

सुरक्षा ढांचा मजबूत होगा

इंटीग्रेटेड लैब के माध्यम से खाद्य एवं सुरक्षा ढांचे को मजबूत किया जा सकेगा। इसके माध्यम से जांच की क्षमता और दायरे का विस्तार होगा। वेयर हाउस कार्पोरेशन का लैब मिलने के बाद आवश्यकता के अनुसार उसमें बदलाव कर आधुनिक लैब का रूप दिया जाएगा। - दीपक अग्रवाल, निरंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन

खनन प्रभावित गांवों को मॉडल विलेज के रूप में विकसित करने पर विशेष जोर मुख्यमंत्री साय ने डीएमएफ कार्यों में तेजी लाने अतिरिक्त तकनीकी ढांचे के गठन के लिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायगढ़ में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान दंतेवाड़ा, रायगढ़ और कोरबा जैसे खनन प्रभावित जिलों में जिला खनिज न्यास डीएमएफ की राशि के प्रभावी और त्वरित उपयोग को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन जिलों में विकास कार्यों की संख्या और दायरा लगातार बढ़ रहा है, ऐसे में वर्तमान तकनीकी एवं इंजीनियरिंग स्टाफ पर्याप्त नहीं है।

उन्होंने लोक निर्माण विभाग को अतिरिक्त डिवीजन गठित करने तथा आवश्यक तकनीकी अमले की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डीएमएफ की राशि का उपयोग केवल निर्माण कार्यों तक सीमित न रहे, बल्कि इसका प्रत्यक्ष लाभ खनन प्रभावित गांवों के लोगों को दिखाई देना चाहिए। उन्होंने



अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन गांवों में खनन गतिविधियां संचालित हो रही हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर “मॉडल विलेज” के रूप में विकसित किया जाए। इन गांवों में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल, सामुदायिक भवन और अन्य मूलभूत सुविधाओं का बेहतर विकास सुनिश्चित किया जाए।

लोगों को विकास का मिलना चाहिए पहला अधिकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि खनिज संपदा से समृद्ध क्षेत्रों के लोगों को विकास का पहला अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए डीएमएफ राशि के उपयोग में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सहकारिता कमिशनर ने खाद-बीज वितरण व्यवस्था का किया निरीक्षण



संचालित करने, कॉमन सर्विस सेंटर की सुविधाएं दी जा रही हैं। इसी तरह जनऔषधि केंद्र भी पैक्स से संचालित हो रहे हैं।

डेयरी, मत्पालन और वन समितियों द्वारा लोगों को रोजगार से जोड़ा जा रहा है। निरीक्षण दौरान जिला पंजीयक, सहकारिता विस्तार अधिकारी और समिति प्रबंधक सहित समिति के सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।



गर्मी की छुट्टीयों का सही इस्तेमाल करें और

कमाएं

₹ 12,000 प्रति माह

योग्यता- 12वीं से स्नातक मात्र 6 घंटे का आसान काम और फिर आराम ही आराम

ऐसे ऊर्जावान युवक युवतियों की आवश्यकता है जो अपने टेलेंट से मीडिया में महत्वपूर्ण स्थान बना सके।

स्वयं का वाहन होना आवश्यक, संपर्क अभियान से लक्ष्य प्राप्त करने में सक्षम युवा संपूर्ण बायोडेटा एवं बैंक एकाउंट, आधार कार्ड के साथ तुरंत संपर्क करें।

हरिभूमि कार्यालय: पुजारी पार्क के सामने, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.) Resume करें - 9977374898

एजुकेशन अलर्ट

फ्लाइंग और ग्राउंड ड्यूटी के लिए आवेदन 20 मई से

रायपुर। एयरफोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट 2 के लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। जो युवा भारतीय वायु सेना में फ्लाईंग और ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच में कमीशंड ऑफिसर बनने का सपना देख रहे हैं। उन युवाओं के लिए यह एक बेहतरीन अवसर है। एफकैट परीक्षा के लिए आवेदन 20 मई से शुरू होने जा रहे हैं। उम्मीदवार 19 जून 2026 तक इस परीक्षा के लिए आवेदन कर सकेंगे। ऐसे में अगर आप भी एफकैट परीक्षा के लिए आवेदन करना चाहते हैं तो इस लेख के जरिए हम आपको आयुसीमा से लेकर चयन प्रक्रिया तक पूरी जानकारी से अवगत करवाएंगे। इस बार उम्मीदवारों की योग्यता में बदलाव किया गया है। पहले ब्रांच में आवेदन करने के लिए 60 प्रतिशत अंक अनिवार्य थे, लेकिन अब आवेदन करने के लिए 60% अंकों की अनिवार्यता को हटा दिया गया है। हालांकि आवेदन करने के लिए कक्षा 12वीं में फिजिक्स और गणित में 50 प्रतिशत अंक अनिवार्य है। आवेदक की आयु की गणना 1 जुलाई 2027 के आधार पर की जाएगी। फ्लाईंग ब्रांच में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों की आयु 20 से 24 वर्ष और ग्राउंड ड्यूटी टेक्निकल और नॉन-टेक्निकल में आवेदन करने के लिए आयु 20 से 26 वर्ष होनी चाहिए।



इतने स्टेज में होगा चयन

भारतीय वायुसेना में कमीशंड ऑफिसर बनने के लिए उम्मीदवारों को तीन चरणों को सफलपूर्वक पास करना अनिवार्य है। सबसे पहले लिखित परीक्षा आयोजित कराई जाएगी। लिखित परीक्षा देशभर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों में आयोजित कराई जाएगी। इस परीक्षा में शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा। इसके साथ ही एसएसबी में दौड़ और पुश-अप्स आदि का भी परीक्षण किया जाएगा। एफकैट परीक्षा के तहत चयनित किए गए उम्मीदवारों को प्रतिमाह 56,100 रुपये प्रदान किए जाएंगे। परीक्षा में शामिल होने के लिए टैटू को लेकर भी सख्त नियम है। शरीर में स्थाई टैटू की अनुमति नहीं है। हालांकि दोनों हाथों के अंदरूनी हिस्से कोहनी से कलाई तक और हथेली की पीछे छोटे टैटू की अनुमति है। इसके साथ ही आदिवासी समुदायों को उनकी परंपराओं के अनुसार छूट दी जाएगी।

सिटी लाइव

छत्तीसगढ़ और यूपी की लीची बढ़ा रही मिठास, बाजार में मांग तेज



रायपुर। गर्मी के तेवर तीखे होते ही बाजारों में शाही फल लीची की धमक दिखने लगी है। लाल-गुलाबी रंग और रसीली मिठास वाली लीची ने फलों की दुकानों और ठेलों की रौनक बढ़ा दी है। शहर के सुपेला, पावर हाउस, नेहरू नगर, सेक्टर मार्केट और कोहका क्षेत्र में लीची के ढेर लगे हैं। इन दिनों यह 300 रुपये से 320 रुपये प्रति किलो के भाव बिक रही है। भीषण गर्मी में लोग इसके स्वाद के दीवाने हो रहे हैं। जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, वैसे-वैसे दिवन्सिटी के बाजारों में मौसमी फलों की रौनक भी बढ़ती जा रही है। इन दिनों शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और बाजारों में लीची की दुकानें सज गई हैं। खासतौर पर बिहार के मुजफ्फरपुर से आने वाली शाही लीची लोगों की पहली पसंद बनी हुई है। दिवन्सिटी फल व्यापारियों ने बताया कि भिलाई-दुर्ग में बिक रही लीची बिहार के मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर और पूर्वी चंपारण जिलों से आ रही है।

लीची खाने के 5 बड़े फायदे

लीची इम्युनिटी बूस्टर के रूप में फायदेमंद है। इसमें विटामिन-सी भरपूर होता है। 100 ग्राम लीची से दिनभर की विटामिन-सी की जरूरत पूरी हो जाती है। यह गर्मी में लू से बचाती है। यह पाचन में मददगार रहती है, इसमें फाइबर अधिक होता है जो कब्ज दूर करता है और पेट साफ रखता है। लीची में गैलरुल शुगर, कार्बोहाइड्रेट और विटामिन-बी कॉम्प्लेक्स होता है जो तुरंत एर्जीजी देता है। गर्मी में थकान दूर करती है। यह फल दिल के लिए अच्छी होती है पोटेशियम और कॉपर होने से यह ब्लड प्रेशर कंट्रोल करती है और दिल की सेहत सुधारती है। यह त्वचा निखारने में भी कारगर है। एंटी-ऑक्सीडेंट्स और विटामिन-ई स्किन को ग्लोइंग बनाते हैं और झुर्रियां कम करते हैं।

जून के पहले सप्ताह तक ऐसे ही रहेंगे दाम
लीची सबसे पहले 1059 में दक्षिण चीन के गुआंगडोंग और फुजियान प्रांत में जंगली पौधे से बागों तक पहुंची। 18वीं सदी में फ्रांसीसी यात्री पियरे सोब्नेरे ने इसे दुनिया से रूबरू कराया। 1764 में यह रियूनियन द्वीप होते हुए मेडागास्कर और भारत पहुंची। फिर दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका, बाजील, ऑस्ट्रेलिया तक फैल गई फिलहाल भिलाई में लीची की आवक अच्छी है। विक्रेताओं का कहना है कि जून के पहले सप्ताह तक दाम ऐसे ही रहेंगे। उसके बाद आवक कम होने पर रेट और बढ़ सकते हैं। गर्मी से बेहाल लोगों के लिए लीची किसी तोहफे से कम नहीं। भिलाई में लीची मुख्य रूप से सुपेला बाजार, पावर हाउस मार्केट, फल मंडी के सामने नेहरू नगर चौक, सड़क किनारे अस्थाई दुकानें सेक्टर-6 मार्केट, रुआबांधा सहित फल दुकानों में ढाई सौ, तीन सौ और तीन सौ बीस रुपये किलो तक बिक रही है।

‘रंग संस्कार महोत्सव’ का दूसरा दिन, ‘सूखी डाली’ और ‘संत रविदास’ के शानदार मंचन ने दर्शकों को किया भावविभोर

मंच पर जीवंत हुए मानवीय रिश्ते, ‘सूखी डाली’ में दिखा संयुक्त परिवार का संघर्ष और समाधान

संस्कार भारती द्वारा प्रख्यात कलासाधक स्व. अशोक चंद्राकर की स्मृति में आयोजित त्रिदिवसीय रंग संस्कार महोत्सव के दूसरे दिन की शाम कलात्मक और संदेशपरक रही। महाराष्ट्र मंडल में द्वितीय दिवस के कार्यक्रमों में दो शानदार नाट्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को विविध मानवीय संवेदनाओं से जोड़ा। महोत्सव की पहली प्रस्तुति मशहूर साहित्यकार उपेन्द्रनाथ अशक द्वारा रचित लोकप्रिय एकांकी सूखी डाली रही। अर्पिता बेडेकर के कुशल निर्देशन में प्रस्तुत इस नाटक ने पारिवारिक रिश्तों और आपसी संवेदनाओं को बेहद प्रभावशाली ढंग से मंच पर जीवंत किया।

रायपुर। नाटक की कहानी दादा मूलराज के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक संयुक्त परिवार के मुखिया हैं। परिवार में जब नई और छोटी बहू ‘बेला’ कदम रखती है तो पिढ़ियों के बीच वैचारिक मतभेद और टकराव शुरू हो जाते हैं। ऐसे में दादाजी अपनी सुझबुझ और प्रेम से सभी सदस्यों को बेला का उचित सम्मान करने की सीख देते हैं और परिवार को टूटने से बचा लेते हैं।

इंसान का असली बड़प्पन मन और व्यवहार में होता है

नाटक में बताया गया कि जब नई बहू बेला को परिवार से अत्यधिक आदर और अपनत्व मिलता है तो उसे अपनी गलती का अहसास होता है और वह उस परिवार का अभिन्न हिस्सा बन जाती है। इस एकांकी ने यह मार्मिक संदेश दिया कि परिवार का विभाजन ही उसे एक सूखी डाली (मुरझाई हुई डाली) बना देता है। संयुक्त परिवार में एकता केवल आपसी सामंजस्य, प्रेम और सम्मान से ही बनी रह सकती है; क्योंकि इंसान का असली बड़प्पन उसके मन और व्यवहार में होता है, न कि उसके पद या शिक्षा में।



संत रविदास’ ने दिया मानवता और समानता का संदेश

महोत्सव की दूसरी शानदार प्रस्तुति संत रविदास की रही, जिसका कुशल निर्देशन संत फरिंदार ने किया। इस नाटक के जरिए महान संत परंपरा, सामाजिक समरसता और मानवता के उच्च आदर्शों को अत्यंत प्रेरणादायी रूप में दर्शकों के सामने रखा गया। समाज को एकजुट करने वाली इस प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों के मन पर गहरी छाप छोड़ी। कार्यक्रम के अंत में दोनों ही नाटकों को दर्शकों की भरपूर सराहना मिली। कलाकारों के सशक्त, सजीव और भावपूर्ण अभिनय ने समागार में बैठे हर एक व्यक्ति को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसके चलते पूरा हॉल देर तक तालियों की गड़गड़ाहट से गुंजाता रहा।



रंगमंच समाज में जगाता है सांस्कृतिक चेतना

महोत्सव के दूसरे दिन अतिथियों में संस्कार भारती के कार्यकारी अध्यक्ष माणिक विश्वकर्मा, प्रांतीय अध्यक्ष रिखी क्षत्रिय, रायपुर महानगर अध्यक्ष शशंक शर्मा और स्व. अशोक चंद्राकर की धर्मपत्नी सविता चंद्राकर की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री और कुरुक्षेत्र विधायक अजय चंद्राकर ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकार की। श्री चंद्राकर स्वयं भी लंबे समय तक रंग-साहित्य और नाट्यकला से जुड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय रंग परंपरा, सांस्कृतिक मूल्यों और समाज में रंगकर्मियों की अहम भूमिका पर विस्तार से अपने विचार साझा किए। उन्होंने कला के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि, ऐसे आयोजन न केवल कला को जीवंत रखते हैं, बल्कि समाज में सांस्कृतिक चेतना और मानवीय संवेदनशीलता को सशक्त बनाने का भी महत्वपूर्ण कार्य करते हैं।

विकास के लिए प्राचीन बुद्धिमत्ता की जड़ों का मजबूत होना जरूरी

रायपुर। चौबे कॉलेजी स्थित प्रगति कॉलेज के शिक्षा विभाग की ओर से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का मुख्य विषय वर्तमान परिदृश्य में भारतीय ज्ञान प्रणाली और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का एकीकरण था। सेमिनार की संरक्षक और कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सौम्या नैयर ने स्वागत भाषण में कहा कि आज का समय भारतीय ज्ञान परंपरा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अलग-अलग देखने के बजाय उन्हें एक साथ जोड़ने का है। मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. राजीव चौधरी उन्होंने पाश्चात्य शिक्षा दर्शन के प्रभाव से हटकर एकीकृत विकास पर जोर दिया। उन्होंने प्राचीन बुद्धिमत्ता की विकास की ‘मजबूत जड़’ बताते हुए ईशा उपनिषद, लौकिक विद्या और रिसर्च में एआई टूलस के प्रभाव से हटकर एकीकृत विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि IKS के डिजिटलीकरण के लिए मजबूत शासन की आवश्यकता है ताकि इसका दुरुपयोग न हो सके तीसरे वक्ता के रूप में डॉ. महापात्रा ने छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक शिक्षा प्रणाली और आयुर्वेद में एआई के सफल प्रयोगों पर विस्तार से चर्चा की।



शोधपत्र प्रस्तुति और समापन

सेमिनार में सहायक प्राध्यापकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। समापन समारोह में रूसा की डिप्टी डायरेक्टर डॉ. भुति झा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. केएन गजपाल ने दो दिवसीय सेमिनार का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। अंत में प्रकाशिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ. प्रवीण कुमार यादव ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर आयोजन समिति के सह-संयोजक डॉ. गुंजन शर्मा, सदस्य डॉ. अमित ठाकुर, मन्जू रवानी सहित समस्त प्राध्यापक और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस विशेष : सतर्कता ही बचाव, नियमित रूप से जांच कराएं

40 वर्ष की उम्र में भी अब हाई बीपी के मरीज बढ़े कारण : बाहर का खाना, देर रात भोजन करना

कार्नर न्यूज

रायपुर। विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर भिलाई-दुर्ग के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। डॉक्टरों का कहना है कि हाई ब्लड प्रेशर अब केवल बुजुर्गों की बीमारी नहीं रह गई, बल्कि खराब लाइफस्टाइल और तनाव के कारण युवा भी तेजी से इसकी चपेट में आ रहे हैं। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आकाश बक्सी ने बताया कि हाई बीपी को साइलेंट किलर कहा जाता है, क्योंकि शुरुआती दौर में इसके लक्षण नजर नहीं आते। कई लोगों को बीमारी का पता तब चलता है जब हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक या किडनी संबंधी गंभीर समस्या हो चुकी होती है। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ा हुआ रक्तचाप हृदय की रक्त वाहिनियों पर दबाव बढ़ाता है, जिससे अचानक हृदयाघात का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। उन्होंने बताया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में करीब 1.4 अरब लोग हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित हैं। चिंताजनक बात यह है कि इनमें से लगभग आधे लोगों को अपनी बीमारी की जानकारी तक नहीं होती।



देश में 22 करोड़ से ज्यादा लोग हाईपरटेंशन से हैं प्रभावित

मेडिसिन रोग विशेषज्ञ डॉ. राजेश सिंघल ने कहा कि भारत में भी स्थिति तेजी से गंभीर होती जा रही है। देश में करीब 22 करोड़ से अधिक लोग हाइपरटेंशन से प्रभावित हैं। अनियमित दिनचर्या, जंक फूड, नींद की कमी, तनाव, धूम्रपान और शराब का सेवन इसके प्रमुख कारण बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब 30 से 40 वर्ष की उम्र में भी हाई बीपी के मरीज बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं। चिकित्सकों की माने तो नियमित व्यायाम, अनुशासित जीवन शैली से इस बीमारी के खतरे को कम किया जा सकता है। वर्तमान में बीमारियों के घर करने की मुख्य वजह से बाहर का खाना, देर रात भोजन करना और अन्य कारण हो सकते हैं। इसलिए 40 की उम्र तक पहुंचने वाले व्यक्तियों को अपनी सेहत को लेकर ज्यादा अवेयर होने की जरूरत है।

नियमित जांच और जीवनशैली में बदलाव से किया जा सकता है नियंत्रित

मेडिसिन रोग विशेषज्ञ डॉ. विशाल अग्रवाल ने कहा कि समय रहते ब्लड प्रेशर की जांच और जीवनशैली में



जरूरी है। विशेषज्ञों के अनुसार यदि बार-बार सिरदर्द, चक्कर, घबराहट, थकान या सांस फूलने जैसी समस्या हो रही हो तो तुरंत ब्लड प्रेशर जांच करानी चाहिए। डॉक्टरों ने लोगों से अपील की है कि वे साल में कम से कम एक बार बीपी जांच जरूर कराएं, क्योंकि जागरूकता और समय पर उपचार ही इस साइलेंट किलर से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है।

बदलाव से इस बीमारी को नियंत्रित किया जा सकता है। रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम, नमक का सीमित सेवन, वजन नियंत्रण और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण

सिटी लाइव

सेंट्रल जीएसटी की पहल पर आज संडे ऑन साइकिलिंग

रायपुर। सेंट्रल जीएसटी की पहल पर आज संडे ऑन साइकिलिंग का आयोजन किया जाएगा। पीएम नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तहत शुरू किए गए फिट इंडिया की कड़ी में सप्ताह के संडे ऑन साइकिलिंग कार्यक्रम द्वारा लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से रविवार को यह पहल की जाएगी। कार, बाइक की जगह साइकिल का उपयोग करने पर जोर देने और लोगों को जोड़ने यह पहल की जा रही है। इस तारतम्य में रविवार को संडे ऑन साइकिलिंग कार्यक्रम थीम पर जीएसटी एंड कस्टम्स द्वारा आयोजन किया जा रहा है। इसके माध्यम से लोगों को सेहत के लिए साइकिलिंग करने से पर्यावरण संरक्षण में वह किस तरह से योगदान दे सकते हैं, इसके प्रति सजग करने का प्रयास किया जाएगा।



रैली निकालकर देंगे पर्यावरण और ईंधन बचाने का संदेश

रायपुर में सेंट्रल जीएसटी विभाग द्वारा सुबह 6 बजे साइकिल रैली का आयोजन किया जा रहा है। यह रैली टिकरापारा स्थित जीएसटी मुख्यालय से प्रारंभ होगी। इसमें भारी संख्या में विभाग के अधिकारी और कर्मचारी सहित आसपास के लोग शामिल होंगे। साइकिल रैली विभिन्न मार्गों से होते हुए गांधी उद्यान पहुंचेगी। जहां इस रैली का समापन से पहले मॉर्निंग वॉक के लिए उद्यान में पहुंचने वाले लोगों से आह्वान करेंगे कि सप्ताह में हर संडे को कार और बाइक का उपयोग न करें। इसमें विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ उद्योग एवं व्यापार जगत के प्रतिनिधि तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के अधिकारी भी शामिल होंगे।

कैंपस लाइव

काव्य उत्सव, पुस्तक विमोचन और सम्मान समारोह आज

रायपुर। भाषा अस्मिता अकादमी, जय जोहार साहित्य-संस्कृति संस्थान और छत्तीसगढ़ मित्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय काव्य उत्सव के साथ पुस्तक विमोचन सहित सम्मान समारोह का आयोजन रविवार को सुबह 10 से शाम 5 बजे तक न्यू शांतिनगर स्थित विमतारा भवन में किया जाएगा। इसमें बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने के लिए अनिता कपूर अमेरिका से आ रही हैं। आयोजन की अध्यक्षता शशांक शर्मा अध्यक्ष साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ करेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ सुशील त्रिवेदी, गिरिश पंकज, अरुण निगम, जयप्रकाश मानस, डॉ. अभिलाषा बेहार, किशन लाल होंगे। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए देशभर से कवि-कवियत्री भी आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ के 50 से अधिक कवि और कवियत्रियों ने कविता पाठ के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। छत्तीसगढ़ में अपनी तरह का यह पहला आयोजन है।

विद्वान वक्ता साझा करेंगे अनुभव

इस आयोजन के संयोजक डॉ. सुधीर शर्मा और सहसंयोजक डॉ. सीमा निगम ने कार्यक्रम की रूपरेखा तय की है। डॉ. सीमा अवस्थी की उपस्थिति में क्रमवार चलने वाले आयोजन की अनोखी श्रृंखला तैयार की गई है। जिसमें संवाद भी होंगे, हास्य-परिहास के साथ ही गरिमाय वातावरण में संस्कृति और साहित्य से जुड़े विषयों पर विद्वान वक्ता अपने अनुभव को भी वक्तव्य के माध्यम से साझा करेंगे। इस कार्यक्रम में बस्तर पर केंद्रित पुस्तकें नक्सलमुक्त बस्तर (कविता संग्रह), बदलता बस्तर (आलेख संग्रह) का विमोचन भी किया जाएगा। साथ ही चार एकल पुस्तक का भी विमोचन अतिथियों द्वारा किया जाएगा।

सिटी लाइव

जिला स्तरीय विशाल रोजगार मेले का आयोजन 22 को

रायपुर। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र और छत्रपति शिवाजी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी सीएसआईटी के संयुक्त तत्वावधान में 22 मई को एक विशाल जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार कार्यालय के उप संचालक से मिली जानकारी के अनुसार यह आयोजन शिवाजी नगर स्थित सीएसआईटी के परिसर में होगा। इस मेले के माध्यम से क्षेत्र के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में करियर बनाने का एक सुनहरा अवसर मिलेगा। इस रोजगार मेले में विभिन्न क्षेत्रों के 10 नियोजकों द्वारा कुल 2,347 तकनीकी और गैर-तकनीकी पदों पर भर्तियां की जाएंगी।



इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं

10वीं, 12वीं पास से लेकर स्नातक, स्नातकोत्तर, आईटीआई, डिप्लोमा और इंजीनियरिंग स्नातक की योग्यता रखने वाले अर्हता इस मेले में हिस्सा ले सकते हैं। इसके अतिरिक्त, मेडिकल क्षेत्र से जुड़े अर्हताओं जैसे एमबीबीएस, बीएसएमएस, नर्सिंग जीनरलएमएनएम और पैरामेडिकल डिप्लोमा धारकों के लिए भी बड़ी संख्या में रक्तियां उपलब्ध हैं। इच्छुक आवेदक इन पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जिसके लिए रोजगार पंजीजन होना अनिवार्य है। रक्तियों से संबंधित विस्तृत जानकारी रोजगार विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.erojgar.cg.gov.in पद या छत्तीसगढ़ रोजगार ऐप पर देखी जा सकती है। अधिक जानकारी के लिए अग्रणी मालविका नगर चौक स्थित जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र में सौध संपर्क कर सकते हैं।

चूड़ीलाइन स्थित प्राचीन शनिदेव मंदिर सहित कोटा और शंकरनगर में विधिवत पूजा-अर्चना

फूलों से सजाया शनिदेव का दरबार किया श्रृंगार, दर्शन करने उमड़े श्रद्धालु

शनि अमावस्या की तिथिगत महत्ता के चलते शनिवार को चूड़ीलाइन में प्राचीन शनिदेव मंदिर सहित कोटा और शंकरनगर में भी भक्तों ने गोंदा चमेली, गुलाब सहित विविध सुगंधित फूलों से भगवान और उनकी दरबार का श्रृंगार किया। जहां सुबह से देर-शाम तक पूजा के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। एक तरफ लोग शनिदेव का अभिषेक करते नजर आए, वहीं दूसरी तरफ पूजा सामग्री लिए श्रद्धालु कतार का हिस्सा भी बने। मनोरथ सिद्धि के लिए जलवाप गए ज्योत दर्शन और पूजन के लिए भक्त सपरिवार मंदिर पहुंचे। इस वजह से दिनभर उत्सव का माहौल रहा।



51 किलो फूलों से किया मनमोहक श्रृंगार

प्राचीन शनिदेव मंदिर के पुजारी पं. किशोरीलाल शर्मा और पं. ऋषि शर्मा ने बताया कि शनि अमावस्या के अवसर पर 51 किलो फूलों से सुबह भगवान का श्रृंगार एवं विशेष झांकी की सजावट भक्तों ने की। इस साल शनिदेव अमावस्या पर शनिवार का दिन मिलने से भी भक्तों की आस्था ज्यादा रही। कुंभ, मीन, मेष, सिंह और धनु राशि के जातकों ने राशि में प्रभावी कष्ट का निवारण करने और मनोकामना सिद्धि के लिए सरसो तेल से अभिषेक भी किया। सैकड़ों की तादाद में भक्तों ने तेल दान किया। दोष निवारण के लिए ज्योत जलवाने वाले भक्त परिवारों ने सुबह और शाम को दर्शन, पूजन के साथ आरती में शामिल होने का सौभाग्य प्राप्त किया।



न्याय के देवता की एक झलक पाने लगी कतार

कुछ इसी तरह का नजारा कोटा स्थित श्री शनिदेव मंदिर में भी देखने को मिली। ज्येष्ठ मास की शनि अमावस्या की धूम शनिवार को सुबह से शाम तक मंदिर परिसर में रही। श्री शनिदेव मंदिर के पुजारी पं. विकास शर्मा के मार्गदर्शन में शनि ज्येष्ठ अमावस्या तिथि पर न्याय के देवता की आराधना और भक्ति की दिनभर धूम रही। शनिदेव का दर्शन और तेल अर्पित करने के लिए सर्वोत्तम तिथि और संयोग मिलने से न्याय के देवता की आराधना करने के लिए दिनभर भक्तों की भीड़ रही। है। मंदिर में दर्शन करने के लिए आने वाले भक्तों ने साज-श्रृंगार किया। फूलों से सजावट के साथ

हवन करने के बाद भक्तों के लिए भंडारे का आयोजन किया गया। भजन संध्या और महाआरती में भी लोग सपरिवार शामिल हुए।

फूलों से श्रृंगार के बाद भक्तों ने की मंगल आरती

शंकर नगर स्थित शनिदेव मंदिर में भी न्याय के देवता शनिदेव की पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की दिनभर आवाजाही रही। शनि दोष, सादेसाती के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए भक्त परिवारों ने अनुष्ठान और अभिषेक किया। उत्तम तिथि में गुजरात से मंगए गए वस्त्र, बंगाल के कारीगरों द्वारा मंदिर प्रांगण को सजाया गया। पं. विनोद शर्मा ने मार्गदर्शन में इस शुभ अवसर पर सुबह 7 बजे मंगल आरती, 9 बजे विशेष फूलों से श्रृंगार के बाद तेल से दिनभर अभिषेक का क्रम चलता रहा। दोपहर 12 बजे भंडारे का आयोजन करने के बाद शाम को श्रद्धालुओं की मौजूदगी में महाआरती की गई।

भक्ति-श्रद्धा एवं गौसेवा का अद्भुत संगम बनी श्री केंवट चरित्र कथा

रायपुर। सुरभि जनजागरण सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित श्री केंवट चरित्र कथा का भव्य एवं आध्यात्मिक आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ सनातन संस्कृति के अनुपम वातावरण में किया गया। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम एवं निषादराज केंवट के अद्भुत प्रेम, समर्पण और सेवाभाव से ओतप्रोत कथा का श्रवण किया। कार्यक्रम की श्रृंखला में शदाणी दरबार में वृंदावन धाम से पंथा कथाव्यास, गौभक्त आचार्य श्री कौशिक महाराज ने अपनी ओजस्वी एवं भावपूर्ण वाणी से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कथा के माध्यम से उन्होंने समाज में सेवा, संस्कार, समरसता एवं सनातन धर्म के मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया। महाराज श्री ने गौसेवा के क्षेत्र में लिए गए अपने अद्भुत संकल्प से लोगों को जोड़ने का भी प्रयास किया। क्योंकि यह संकल्प महाराज ने करीब सात साले पहले शंकर नगर स्थित बीटीआई मैदान में समिति द्वारा आयोजित श्रीमद भागवत कथा के दौरान लिया था।



संत-महंतों सहित प्रतिनिधियों ने भी किया कथा श्रवण



भगत ने बताया कि कथा में उत्तर क्षेत्र के विधायक पुरंदर मिश्रा, रामप्रताप सिंह अध्यक्ष कर्मकार मंडल, डॉ. वणिका शर्मा अध्यक्ष, बाल अधिकार संरक्षण आयोग, गौरीशंकर अवगल पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और पूर्व विधायक श्रीचंद सुंदरानी ने भी शामिल हुए।

राजधानी की महिलाओं ने समूह में किया वट सावित्री व्रत, बरगद पेड़ के नीचे सजाई पूजा की थाली

पति की दीर्घायु कामना के लिए सुहागिनों ने रखा व्रत, बरगद की परिक्रमा कर लिया आशीष

कार्नर न्यूज

रायपुर। सुहागिनों ने विधि-विधान से बरगद पेड़ की पूजा अर्चना करते हुए भगवान ब्रह्मा, विष्णु और महेश से पति के दीर्घायु होने की कामना करते हुए आशीष लिया। वट सावित्री व्रत ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि शनिवार को मिलने से विधि - विधान से आराधना करते हुए परंपराओं का निर्वहन किया। इसके चलते शहर के बुद्धेश्वर चौक, मां महामाया मंदिर सहित सभी क्षेत्रों में बरगद पेड़ के नीचे बैठकर सुहागिनों ने व्रत नियम का पालन किया। इसके चलते भक्तिमय वातावरण निर्मित हुआ। महिलाओं ने सत्यवान को सावित्री की कथा सुनने के बाद श्रृंगार सामग्री भेंट करने के साथ ही अपने से अधिक उम्र की महिलाओं से आशीष लेने के बाद घर वापस लौटीं।



महिलाओं ने बरगद पेड़ के नीचे किया पूजन



मां महामाया मंदिर के पुजारी एवं ज्योतिषि पं. मनोज शुक्ला ने बताया कि सुहागन माता-बहनें पति के दीर्घायु होने की कामना करने के लिए वट सावित्री व्रत करती हैं। दिनचर्या से निवृत्त होने के बाद व्रत का मानसिक रूप से संकल्प करने के बाद मध्याह्न काल में पूजन सामग्री लेकर बरगद पेड़ के नीचे पूजन का नियम किया। इस व्रत की महिमा यह है कि सावित्री ने अपने पति सत्यवान को प्राप्त करने के लिए बरगद पेड़ के नीचे व्रत करने का संकल्प लिया था। उनके प्रण के आगे स्वयं यमराज को सत्यवान का जीवन दोबारा लौटाना पड़ा था। इसके बाद से तिथिगत महत्ता को देखते हुए सुहागिनें व्रत-नियम को पूरा करने के साथ कथा श्रवण करती हैं।

बरगद पेड़ के नीचे किया नियम

संस्कृत भाषा के प्रचारक पं. चंद्रभूषण ने बताया कि तीन बार बरगद की परिक्रमा करते हुए लोटे से जल अर्पित करने के बाद शुद्ध आसन में बैठकर सुहागिनों ने बरगद के नीचे चौकी पर गौरी-गणेश, कलाश स्थापित किया। बांस के पंखे में चंदन से सत्यवान सावित्री की छवि या नाम बरगद के पते पर लिखकर चौकी में रखने के बाद विधि-विधान से पूजा की। गौरी गणेश एवं वट स्नान, चंदन, पुष्प, धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित किया। नैवेद्य में मीने 12 चने, बिना नमक की 12 पुड़ी, 12 मजिजा, 12 आम अर्पण किए। बेसन आटे से बनाए गए 12 नंग बरुला और टिकिया का भोग लगाया। इसके बाद श्रृंगार सामग्री, नारियल अर्पण करते हुए रेहन से बरगद पेड़ को हाथा दिया।

व्रतधारी सुहागिनों को नमक का सेवन वर्जित

पूजन के दौरान सत्यवान-सावित्री की कथा सुनने के बाद आरती करते हुए पति की लंबी उम्र के लिए कामना की गई। इसके बाद 12 नंग चना व गोफरी के शर्बत या मीठे पानी को गहण किया। साथ ही पति से बड़ी उम्र वाली महिलाओं को प्रणाम करके आशीर्वाद लिया और उन्हें श्रृंगार सामग्री भेंट की। बच्चों को प्रसाद वितरण करते हुए वापस घर लौटीं। इस व्रत नियम का पालन करने वाली महिलाओं के लिए दिनभर भोजन या पेय पदार्थों में नमक का उपयोग करना वर्जित है। इसलिए सुहागिनों व्रत तिथि में नमक का सेवन नहीं करती हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

‘हैरी पॉटर’ सीरीज के फस्ट सीजन की रिलीज से पहले दूसरे पार्ट की घोषणा

‘हैरी पॉटर’ सीरीज के फस्ट सीजन की रिलीज से पहले ही मेकर्स ने इसके दूसरे सीजन पर अपडेट दिया है। ‘हैरी पॉटर’ फिल्मों को पसंद करने वाले दुनिया भर में मौजूद है, खासकर बच्चों के बीच इस फ्रैंचाइज की फिल्मों काफी पॉपुलर हैं। ऐसे में सीरीज के तौर पर ‘हैटी पॉटर’ का पहला सीजन जल्द ही आने वाला था। लेकिन फस्ट सीजन के आने से पहले ही इसके दूसरे सीजन की भी घोषणा हो गई है। मेकर्स ने सीरीज ‘हैरी पॉटर’ के दूसरे सीजन में की कहानी और शूटिंग से जुड़ी जानकारी साझा की है। एचबीओ की क्रिएटिव टीम ने जानकारी साझा करते हुए बताया था कि राइटर जे.के. रोलिंग की सात किताबों को ‘हैरी पॉटर’ के अलग-अलग सीजन के तौर पर बनाया जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक भी रोलिंग की बुक ‘चैंबर ऑफ सीक्रेट्स’ को दूसरे सीजन के तौर पर बनाने की संभावना है। अभी मेकर्स ने इस बात को लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं किया है। ‘हैरी पॉटर’ सीरीज के पहले सीजन का प्रीमियर होने में अभी वक्त है। लेकिन एचबीओ के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर फ्रांसेस्का ने कहा, ‘हमने अपने ओवरलैपिंग प्रोडक्शन शेड्यूल के लिए प्लानिंग बनाई है, क्रिसमस तक हम पहले सीजन को पूरा कर लेंगे। जिसके बाद सर्दियों में दूसरे सीजन का प्रोडक्शन शुरू करें।’ इसके साथ ही उन्होंने जॉन ब्राउन की जमकर तारीफ की है, वह ‘हैरी पॉटर’ सीरीज के पहले सीजन के राइटर हैं। ‘हैरी पॉटर’ सीरीज का पहला सीजन इस साल क्रिसमस में रिलीज होगा। ‘हैरी पॉटर’ सीरीज के पहले सीजन का ट्रेलर बीते मार्च को रिलीज किया गया।

टॉलीवुड

मुरली ने किया अगली फिल्म का एलान, पत्रकार की जिंदगी पर्दे पर दिखाने की तैयारी

लेखक, एक्टर और डायरेक्टर-प्रोड्यूसर पोसानी कृष्ण मुरली काफी वक्त से राजनीति में सक्रिय हैं। हालांकि, एक ब्रेक के बाद अब वे फिर सिनेमा की तरफ लौटे हैं। अपनी अगली फिल्म का आधिकारिक एलान करने के साथ ही इस पर डिटेल साझा की हैं। पोसानी कृष्ण मुरली ने अपनी अगली फिल्म को लेकर बातचीत की। उन्होंने हाल ही में एक प्रेस मीट में बताया कि उनकी अगली फिल्म ‘ऑपरेशन अरुणा रेड्डी’ है। इस फिल्म के निर्देशन की कमान वे खुद संभाल रहे हैं। यह फिल्म एक ईमानदार पत्रकार की जिंदगी पर आधारित होगी। एक्टर-डायरेक्टर पोसानी कृष्ण मुरली ने अपनी फिल्म ‘ऑपरेशन अरुणा रेड्डी’ का आधिकारिक एलान किया। उन्होंने कहा कि यह फिल्म प्यार जर्नीलिज्म के बैकग्राउंड में बनी एक शानदार स्क्रीनप्ले मूवी है। पोसानी ने यह भी कहा कि वे फिल्म में एक अहम रोल निभा रहे हैं। साथ ही वे इसका निर्देशन भी खुद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ‘इस फिल्म में हीरो भी मैं हूं और मैं ही विलेन भी। यह एक सोशल ड्रामा फिल्म है। यह ‘ऑपरेशन दुर्योधन’ की तरह ही संसेशन होगी। यह ईमानदार जर्नीलिस्ट की कहानी है। कहानी यह है कि अगर जर्नीलिस्ट ईमानदार होगा, तो समाज सुधरेगा। बता दें कि पोसानी ने फिल्म ‘ऑपरेशन दुर्योधन’ के जरिए ही निर्देशन की दुनिया में डेब्यू किया था। पोसानी ने कहा कि इस फिल्म का अभी की पॉलिटिक्स से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा, ‘मैं गर्व से कहता हूं कि यह देश के बेस्ट स्क्रीनप्ले के साथ आएगी। कहानी इस तरह से लिखी गई है कि आपको आखिर तक अंदाजा लगाना होगा कि क्या होगा। यह हर तबके के दर्शकों को यह फिल्म जरूर पसंद आएगी।’

छॉलीवुड

नितिन ने नए गीत “मनमोहिनी हे गांव के गोरिया 2” से बनाया नया रिकॉर्ड

छत्तीसगढ़ी संगीत जगत के जाने-माने लोकप्रिय गायक, संगीतकार, अभिनेता और लाइव परफॉर्मर नितिन दुबे ने अपना छत्तीसगढ़ी संगीत सफर के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस खास अवसर पर उनका नया गीत “मनमोहिनी हे गांव के गोरिया 2” रिलीज हुआ है। खास बात यह है कि “मनमोहिनी हे गांव के गोरिया” का पहला संस्करण 3 अप्रैल 2001 को रिलीज हुआ था। इसी गीत से नितिन दुबे ने अपने छत्तीसगढ़ी संगीत सफर की शुरुआत की थी। अब ठीक 25 साल बाद, 3 अप्रैल 2026 को उसी गीत का पार्ट 2 रिलीज किया गया। छत्तीसगढ़ी संगीत जगत और भारतीय क्षेत्रीय संगीत इतिहास में यह एक दुर्लभ रिकॉर्ड माना जा रहा है, जब किसी गीत का दूसरा भाग उसके पहले रिलीज की ठीक 25 वीं वर्षगांठ पर उसी दिन रिलीज किया गया हो। नितिन दुबे उन चुनिंदा कलाकारों में शामिल हैं जिन्होंने छत्तीसगढ़ी संगीत के बदलते हर दौर को बेहद करीब से जाना है। उन्होंने ऑडियो कैसेट के दौर से अपनी शुरुआत की, फिर ऑडियो सीडी, वीसीडी और डीवीडी के समय में दर्शकों के दिलों पर राज किया और आज यूट्यूब, ऑडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, इंस्टाग्राम रील्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म के दौर में भी उनकी लोकप्रियता लगातार बनी हुई है। एक ऐसा कलाकार जिसने तीन अलग-अलग पीढ़ियों के संगीत माध्यमों में खुद को स्थापित किया हो, वह अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।



कलर ऑफ द ईयर

लाइफ स्टाइल

क्लाउड डॉसर को 2026 के लिए पैंटोन का 'कलर ऑफ़ द ईयर' चुना गया है। यह हल्का और चमकदार-सफ़ेद रंग थोड़ा-बहुत प्राकृतिक पुट्टी जैसा दिखता है, और यह इस बात का संकेत है कि आप 2026 को एक नई और साफ़-सुथरी शुरुआत के तौर पर देखें। इसके लिए इन सभी मॉडल ने अपने रनवे शो में इैसेस, सूट्स और एक्सेसरीज में इस बेहद मुलायम और हल्के रंग को बड़े ही शानदार तरीके से इस्तेमाल किया है।

शॉर्ट ड्रेस में काले नजर आ रहे हैं घुटने तो साफ करने इनका कीजिए इस्तेमाल

घुटने काले नजर आते हैं। इसकी वजह से हम शॉर्ट ड्रेस भी सोच समझकर पहनते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि पैरों की स्किन टोन अलग-अलग दिखाई देने लगती है। ऐसे में इन्हें कम करने के लिए आप कुछ ऐसी घरेलू चीजें हैं, जिसका इस्तेमाल करके अपनी स्किन को साफ कर सकती हैं। इससे आपके घुटने साफ हो सकते हैं। साथ ही, आपको शॉर्ट ड्रेस पहनने में कोई दिक्कत भी नहीं होगी।

एलोवेरा जेल और हल्दी का इस्तेमाल

आप अपने घुटनों को साफ करने के लिए एलोवेरा जेल और हल्दी का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे भी आपके घुटने साफ हो जाएंगे। साथ ही, इससे आपकी स्किन इवन नजर आएगी। इसका इस्तेमाल करना भी काफी आसान होता है।

इस तरह करें इस्तेमाल

इसके लिए आपको एक कटोरी में फ्रेश एलोवेरा जेल निकालना है। इसमें हल्दी पाउडर को मਿक्स

करना है। इसे फिर अपने घुटने पर लगाना है।इस पेस्ट को लगाने के बाद हल्के हाथों से मसाज करें। फिर सूखने दें। इसके बाद पानी से अपने पैरों को साफ कर लें। इसे आप हफ्ते में 2 बार लगाएं, तो आपके घुटने साफ नजर आएंगे।

आलू के रस का करें इस्तेमाल

आप काले घुटनों को साफ करने के लिए आलू के रस का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे आपकी स्किन साफ हो जाएगी। इसे इस्तेमाल करना भी काफी आसान है। इसे आप रोजाना भी अपने घुटने पर लगा सकती हैं।

इस तरह करें आलू का इस्तेमाल

इसके लिए आपको सबसे पहले एक आलू लेना है। फिर इसे आधा काटना है। अब इसमें कॉफी लगाएं और अच्छे से घुटनों पर रब करें। इसे करीब 10 से 15 मिनट के लिए रब करें। फिर इसे लगा रहने दें। इसके बाद इसे पानी से साफ कर लें। इससे आपके घुटने कुछ ही समय में साफ नजर आएंगे।



समर सीजन में स्किन फ्रेश रखने के लिए इन टिप्स को करें फॉलो

गर्मियों के मौसम में पसीना, धूल-मिट्टी और प्रदूषण की वजह से चेहरा डल और बेजान नजर आने लगता है। वहीं इस दौरान अगर स्किन की केयर न की जाए तो, स्किन से जुड़ी समस्या भी पैदा हो सकती है। वहीं ये समस्या न हो साथ ही, इस मौसम में स्किन फ्रेश रहे और चेहरे का ग्लो बने रहे इसके लिए हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं। इन टिप्स को फॉलो करने से समर सीजन में स्किन फ्रेश रहेगी साथ ही, चेहरे पर ग्लो भी आएगा।

क्लीजिंग का करें इस्तेमाल

चेहरे का ग्लो बना रहे साथ ही, स्किन पर ग्लो आए इसके लिए आप क्लीजिंग का इस्तेमाल करें। इस काम को आप दिन में 2 बार करें। क्लीजिंग करने से चेहरे के पोर्स साफ हो जाते हैं और स्किन फ्रेश और ग्लोइंग नजर आती है। क्लीजिंग का इस्तेमाल आप सुबह और रात को सोने से पहले करें।

लाइटवेट मॉइस्चराइजर का करें प्रयोग

इस मौसम में कई महिलाएं मॉइस्चराइजर का



इस्तेमाल करना बंद कर देती है। लेकिन, स्किन से जुड़ी समस्या न हो इसके लिए मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करना जरूरी है। वहीं इस मौसम में आप लाइटवेट मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें। इस तरह के मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करने से स्किन फ्रेश रहती हैं साथ ही, स्किन का ग्लो भी बना रहता है। स्किन से जुड़ी समस्या को कम हो साथ ही, स्किन फ्रेश और ग्लोइंग नजर आए इसके लिए आप हफ्ते में 2 दिन फेसमास्क का इस्तेमाल करें। फेस मास्क का इस्तेमाल करने से स्किन को पोषण और धूप की वजह से छिन गया ग्लो भी वापस आता है।

कार्न न्यूज

आउटफिट को स्टाइल करते वक्त हेयर स्टाइल बनाना भी जरूरी

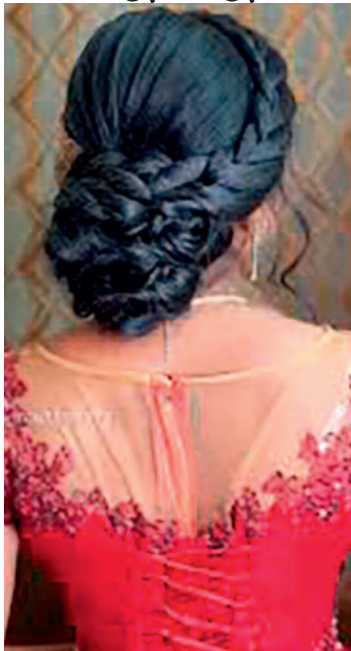
वेस्टर्न आउटफिट के साथ क्रिएट करें 10 मिनट में बनने वाले ये हेयर स्टाइल, दिखेंगी खूबसूरत



वेस्टर्न आउटफिट के साथ स्लीक पोनीटेल हेयर स्टाइल भी बनाया जा सकता है। इसे बनाकर आपका लुक भी अच्छा लगेगा। इसके लिए आपको बालों को सेंटर पार्टिशन करना है। इसके बाद पोनीटेल को बनाना है। इस पोनीटेल को बनाते समय आपको बालों को बिल्कुल भी मैसी नहीं करना है। फिर अपने बालों को सेट करें। इस तरह से हेयर स्टाइल बनाकर आपका लुक अच्छा लगेगा।

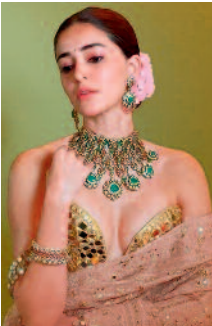
ब्रेड ट्विस्टेड बन हेयर स्टाइल

बन हेयर स्टाइल भी बनने के बाद अच्छा लगेगा। इस तरह के हेयर स्टाइल को बनाने में आपको सिर्फ 10 मिनट का समय लगेगा। इसके लिए आपको पहले ब्रेड बनानी है। फिर इसे ट्विस्ट करके बन को क्रिएट करना है। इसके बाद इसे पिन की मदद से सेट करना है। इसे बनाकर आपका पूरा लुक ही चेंज हो जाएगा। इसे आप कभी भी बना सकती हैं। इस बार वेस्टर्न आउटफिट में इन हेयर स्टाइल को क्रिएट करें। इस तरह के हेयर स्टाइल से आपका लुक अच्छा लगेगा। साथ ही, आपको ज्यादा हेयर स्टाइल बनाने में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ेगी। इसका आइडिया फोटो से ले सकती हैं।



हैवी एंब्रॉयडरी आउटफिट पहनते समय इन बातों का रखें ख्याल

अगर आप किसी खास अवसर पर हैवी एंब्रायडिड आउटफिट पहनने का मन बना रही हैं तो ऐसे में कुछ छोटे-छोटे टिप्स यकीनन आपके बेहद काम आएंगे। जब भी हम किसी खास अवसर के लिए तैयार होती हैं तो सबसे पहले अपने आउटफिट पर ही ध्यान देती हैं। अमूमन शादी या पार्टी में पहनने के लिए हैवी एंब्रायडिड लहंगे, साड़ी या अनारकली पहनना काफी अच्छा माना जाता है, क्योंकि इसमें आपका लुक बेहद ही रॉयल लगता है। इस बात में कोई दोराय नहीं है कि हैवी एंब्रायडिड आउटफिट देखने में काफी अच्छे लगते हैं, लेकिन इन्हें स्टाइल करना इतना भी आसान नहीं होता है। अगर इन्हें सही तरह से स्टाइल नहीं किया जाता है तो इससे आप खुद को कढ़ाई के नीचे दबा हुआ व थका हुआ महसूस कर सकती हैं।



यही वजह है कि हैवी एंब्रायडिड आउटफिट पहनते समय थोड़ी स्मार्ट स्टाइलिंग करना बेहद जरूरी होता है। सही ज्वेलरी का चुनाव, लाइट मेकअप, कंफर्टेबल व स्टाइलिश हील्स आपके लुक को परफेक्ट बना सकती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि हैवी एंब्रायडिड आउटफिट पहनते समय आपको किन बातों का खास ध्यान रखना चाहिए-

जब आप हैवी एंब्रायडिड आउटफिट पहन रही हैं तो ऐसे में आपको अपने लुक को सही तरह से बैलेंस करना आना चाहिए। वरना आपका लुक बहुत अधिक ओवर लग सकता है। ध्यान रखें कि अगर आपका आउटफिट बहुत हैवी एंब्रायडिड है, तो हेयरस्टाइल, मेकअप और ज्वेलरी को सिंपल रखने की कोशिश करें। उदाहरण के तौर पर, हैवी जरदेजी लहंगे के साथ साफ्ट वेव्स, न्यूड मेकअप, स्टेटमेंट ईयररिंग्स आपके लुक को कॉम्पलीमेंट करेंगे। वहीं, अगर आउटफिट का नेकलाइन हैवी है तो नेकलेस को स्किप किया जा सकता है। हैवी एंब्रायडिड आउटफिट पहनते समय हेयरस्टाइल पर खासा ध्यान दिया जाना चाहिए। अगर आप हाई बन या ब्रेडेड बन बनाती हैं तो इससे एम्ब्रॉयडरी पर ध्यान जाता है। खासकर आउटफिट हाई-नेक है या फिर अगर आप सिर पर दुपट्टा रखने वाली हैं तो यह लुकस एकदम परफेक्ट है।

गर्मी में शरीर पर हो रही फुंसियां, तो एक्सपर्ट के ये उपाय आएंगे काम

बदलते मौसम की वजह से कुछ महिलाओं को स्किन प्रॉब्लम होने लगती है। ऐसे में अगर बात करें गर्मी के मौसम की, तो तेज धूप और पसीने की वजह से ऐसी कई महिलाएं हैं, जो घमौरियों का सामना करती हैं। ऐसे में अगर आपके शरीर पर भी बारीक फुंसियां होने लगी है, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है।

घमौरियों का उपाय

अगर आप इन फुंसियों से राहत पाने के लिए और अपने शरीर को खूबसूरत बनाने के लिए बाजार के महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर रही हैं, तो अब आप घर पर रहकर ब्यूटी एक्सपर्ट के बताएं कुछ घरेलू नुस्खे आजमा कर इन सब परेशानियों से राहत पा सकती हैं। आईए जानते हैं ब्यूटी एक्सपर्ट की इस पर क्या राय है।

ब्यूटी एक्सपर्ट की मानें राय

ब्यूटी एक्सपर्ट वर्षा के मुताबिक गर्मी का मौसम हो या बारिश का कुछ महिलाओं को बदलते मौसम की वजह से स्किन प्रॉब्लम होने लगती है। ऐसे में अगर आपकी पीठ पर बारीक फुंसियां हो रही है, तो अब आपको



टेंशन की जरूरत नहीं है। आप घर पर रहकर इन फुंसियों का इलाज कर सकती है। इसके लिए आप रोजाना सुबह शाम दोनों टाइम फुंसियों वाली जगह पर एलोवेरा जेल लगा सकती हैं। इससे आपको बेहद आराम देखने को मिलेगा।

पेस्ट बनाने का तरीका

इसके अलावा आप घर पर एक खास पेस्ट तैयार कर इसे भी फुंसी वाली जगह पर लगा सकती हैं। इसके लिए सबसे पहले एक कंटेनर में खीरे को काटकर उसे कद्दूस कर निकालना इसके बाद आलू के टुकड़े को लेकर उसे भी कद्दूस कर लें। अब इन दोनों में टी ट्री ऑयल मिला दे।